www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 89 ■ जशपुर, 25 नवंबर 2026 (बुधवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

बिरला स्कूल के हॉस्टल में रहने वाले छात्र को कमरे में बंद किया, दूसरी मंजिल से लगाया छलांग

गंभीर स्थिति में बनारस में चल रहा उपचार, असिस्टेंट डायरेक्टर सहित 4 जेल दाखिल

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के सरगंवा में स्थित बिरला ओपन माइंड्स स्कूल एक बार फिर बड़े विवाद में घिर गया है। यहां हॉस्टल में रहने वाले कक्षा 9वीं के एक छात्र ने दूसरी मंजिल के रोशनदान से छलांग लगा दी। हादसे में छात्र के पीठ, पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार के बाद उसे बनारस रेफर कर दिया गया। छात्र के पैर के ऑपरेशन की नौबत बन गई है। पुलिस ने स्कूल के एचआर, असिस्टेंट डायरेक्टर, हास्टल अधीक्षक सहित चार को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, 14 वर्षीय छात्र बलरामपुर जिले का रहने वाला है। वह बीते अगस्त माह में ही बिरला ओपन माइंड स्कूल में बेहतर शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से अपनी इच्छा से आया था और हॉस्टल में ही रहकर अध्ययन कर रहा था। यहां आने के बाद कुछ दिनों के उसका मन नहीं लग रहा था। छात्र अपने बड़े पिता से फोन करके यहां नहीं रह पाऊंगा कहते हुए वापस घर आने की इच्छा जाहिर किया था। बताया जा रहा है कि 22 जुलाई को वह हॉस्टल से सरगंवा में ही रहने वाली रिश्ते में बुआ के यहां जाने के बाद खुद को एक कमरे में बंद कर लिया था, और किसी को कुछ नहीं बताने के लिए कहा था। स्कूल से छात्र के गायब होने की सूचना प्रबंधन ने स्वजन को फोन करके दी थी, लेकिन पुलिस को सूचित नहीं किया था और अपने स्तर पर उसकी खोजबीन में लगे थे। छात्र के रिश्तेदार के यहां होने की जानकारी प्रबंधन को मिली और वे उसे तलाशते बुआ के यहां पहुंच गए। स्वजन के अनुसार काफी प्रयास के बाद बात करने के नाम पर छात्र को बुलाने पर वह अंदर से दरवाजा खोला तो वे उसे पकड़कर वापस हॉस्टल में ले आए, और डांट-फटकार लगाने के बाद पुनः न भागे, इसके लिए पनिसमेंट बतौर एक कमरे में बंधक की तरह कैद कर दिया। छात्र के बड़े पिता का कहना है कि बच्चे की मनःस्थिति को देखते हुए उनके एक संबंधी स्कूल में काफी देर तक बैठे रहे, वे उसे अपने साथ ले जाना चाहते थे लेकिन आप गारजेन नहीं हो कहते हुए उन्हें चले जाने के लिए कहा गया। इधर मानसिक दबाव और घुटन से तंग आकर वह स्कूल के दूसरे माले में स्थित हॉस्टल के कक्ष में बने रोशनदान के रास्ते से कूद गया, जबकि नीचे काफी गहराई थी, जिसमें उसे काफी चोटें आई हैं। छात्र के द्वारा उठाए गए कदम से स्कूल प्रबंधन सकते में आ गया और उसे शहर के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन पुलिस को किसी प्रकार की जानकारी देना इन्होंने उचित नहीं समझा। इसकी सूचना मिलने पर स्वजन अस्पताल पहुंचे और बच्चे की गंभीर स्थिति देखते हुए गांधीनगर थाने में घटना की सूचना देकर प्राथमिकी दर्ज कराया है, जिस पर पुलिस ने थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 755/2026 दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(2), 351(3), 125, 239, 3(5) के साथ ही किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75 के तहत मामला पंजीबद्ध करके जांच शुरू कर दी है।



स्वजन की रिपोर्ट पर पुलिस इन्हें की गिरफ्तार

गांधीनगर थाना पुलिस ने बालक के स्वजन की ओर से की गई रिपोर्ट पर प्रारंभिक जांच में सामने आए आरोपित स्कूल के मार्केटिंग हेड उत्कर्ष किरण पिता स्व. किरण कुमार सिंह 41 वर्ष, निवासी मेदिनीनगर झारखंड, असिस्टेंट डायरेक्टर सूरज प्रकाश मित्तल पिता स्व. सोहनलाल 42 वर्ष, निवासी दादरमंडी पटना बिहार, एचआर कुनाल गोयल पिता भरत लाल अग्रवाल 24 वर्ष, निवासी विद्यासागर कॉलोनी धनबाद झारखंड, तीनों का वर्तमान निवास कृष्णाकुंज सरगवां, हास्टल अधीक्षक अवधेश शर्मा पिता धनेश्वर प्रसाद शर्मा 34 वर्ष, निवासी कमल बिहार रायपुर, वर्तमान निवास सरगवां गांधीनगर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हॉस्टल स्टाफ, छात्र के साथियों और सीसीटीवी फुटेज से भी जानकारी जुटा रही है।

पूर्व में स्वामी आत्मानंद स्कूल में था अध्ययनरत

बच्चे के बड़े पिता ने कहा कि उनका भतीजा इसके पहले गृहग्राम के स्वामी आत्मानन्द स्कूल में पढ़ता था, और अच्छे नम्बरों से कक्षा 8वीं की परीक्षा उत्तीर्ण किया था। बच्चे की इच्छा किसी अच्छे स्कूल में पढ़ने की थी, इसे देखते हुए उन्होंने अंबिकापुर के सरगवां में स्थित नामी बिरला स्कूल में उसका दाखिला अगस्त माह में ही करवाया था। चलगली में उनका संयुक्त परिवार है। सरगवां में घर और रिश्तेदारों के रहने के कारण आना-जाना लगे रहता है। अचानक बच्चे ने किसी के मोबाइल से फोन करके कहा, यहां नहीं रह पाऊंगा, तो उन्होंने उसे अच्छी शिक्षा के लिए मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा। बाद में जब स्कूल से बच्चे के भागने का पता चला तो चलगली से परिवार के सदस्य अंबिकापुर आने के लिए निकले थे। इधर बुआ के घर से बच्चे को स्कूल ले आए, जबकि उन्होंने मना किया था। इसके बाद उन्हें दूसरे मंजिल से बच्चे कूदने की जानकारी मिली, जिससे वे हतप्रभ रह गए।

पुलिस की अग्रिम विवेचना कार्रवाई जारी

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक अतुल मिश्रा, दीपक सोनवानी और दिनेश यादव की टीम सक्रिय रही। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हॉस्टल में छात्र पर किस तरह का दबाव था और प्रबंधन की ओर से क्या चूक हुई। इधर, घटना के बाद से अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। इनका कहना है कि हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर स्कूलों को और ज्यादा गंभीर होना चाहिए। बिरला ओपन माइंड स्कूल पूर्व में भी एक विवाद के बाद सुर्खियों में रहा। इस घटना ने एक बार फिर हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और प्रबंधन की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। बच्चे को समझने के बजाय उन पर दबाव बनाना कितना खतरनाक हो सकता है, यह घटना इसका उदाहरण है। फिलहाल घायल छात्र का इलाज जारी है और पुलिस आगे की विवेचना में जुटी हुई है।

बिरला स्कूल प्रबंधन ने हॉस्टल में रहकर अध्ययन करने वाले कक्षा 9वीं के छात्र के भागने या दूसरे तल पर स्थित हॉस्टल कक्ष के रोशनदान से कूदने जैसी घटना की जानकारी हमें नहीं दी थी। छात्र के स्वजन वाने पहुंचे, तो हमें पता चला। पुलिस ने मौका निरीक्षण व आवश्यक जांच कार्रवाई पूरी करने के बाद चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके विरूद्ध किशोर न्याय अधिनियम व बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज करके न्यायालय में पेश किया गया है। घायल छात्र का बनारस में उपचार चल रहा है।

शिशिरकांत सिंह,
थाना प्रभारी गांधीनगर



व्यापारियों का 50 लाख की चोरी पर फूटा गुस्सा, मंत्री के सामने रखी बात

- मंत्री ने कोतवाली टीआई को फोन पर कहा-व्यापारियों ने उन्हें घेर रखा है, छुड़ाने आ जाएं

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के खरसिया रोड स्थित अग्रवाल ट्रेडिंग में 50 लाख रुपये से अधिक की चोरी के मामले में पुलिस की धीमी कार्रवाई को लेकर व्यापारियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। प्रतिष्ठान के कर्मचारियों पर लाखों रुपये की चोरी का आरोप है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई न होने से नाराज व्यापारियों ने अग्रसेन भवन में बैठक करके मंत्री राजेश अग्रवाल के समक्ष अपनी बातों को रखा। इस दौरान कार्रवाई के लिए नजराना देने जैसी बातें भी सामने आईं।

व्यापारियों ने एक-एक करके अपनी परेशानी रखी। उनका कहना था कि चोरी की शिकायत के बाद भी न तो आरोपी पकड़े गए और न ही चोरी का माल बरामद हुआ। व्यापारियों ने कहा कि अगर यही हाल रहा तो शहर में व्यापार करना मुश्किल हो जाएगा। दुकानदारों में सुरक्षा को लेकर डर का माहौल है और पुलिस की कार्यप्रणाली से उनका भरोसा डगमगा रहा है। व्यापारियों की बातों को सुनने के बाद मंत्री राजेश अग्रवाल ने मौके से ही कोतवाली टीआई को फोन लगाया। उन्होंने मामले में अब तक हुई जांच और कार्रवाई की पूरी स्थिति स्पष्ट करने को कहा। फोन पर टीआई ने अगले दो से तीन दिनों के भीतर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। मंत्री ने टीआई को निर्देश दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जाए और जल्द से जल्द आरोपियों तक पहुंचा जाए।

बैठक का माहौल हल्का करने के लिए मंत्री ने कुछ अलग ही अंदाज में कहा कि व्यापारियों ने उन्हें घेर रखा है, इसलिए चोरों को पकड़कर उन्हें छुड़ाने आ जाएं। उनकी इस बात पर बैठक में मौजूद लोग हंस पड़े। बाद में इसी बात को लेकर इंटरनेट मीडिया पर मंत्री को बंधक बनाने की अफवाह फैल गई, जबकि बैठक में ऐसा कुछ नहीं हुआ था। बैठक में मौजूद व्यापारियों का कहना है कि उन्हें मंत्री के हस्तक्षेप से उम्मीद जगी है। अब सभी की नजर पुलिस की कार्रवाई पर टिकी है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि अगर तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो वे फिर से बड़ा आंदोलन करेंगे। फिलहाल पुलिस ने मामले में जांच तेज करने का दावा किया है। शहर में यह मामला अब चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

18 बैंक लॉकरों से मिले 20 करोड़ के आभूषण, पीआरए-बर्बरिक ग्रुप पर आयकर जांच तेज

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पीआरए और बर्बरिक ग्रुप से जुड़े ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई के बाद जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। चार राज्यों में समूह से जुड़े 50 ठिकानों पर तलाशी के बाद अब आयकर विभाग का मुख्य फोकस बैंक लॉकरों, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल पर है। इस बीच राजधानी रायपुर में समूह से जुड़े करीब 18 बैंक लॉकर खुलवाए जाने और उनमें से लगभग 20 करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण मिलने की जानकारी सामने आई है। अब आयकर विभाग इन आभूषणों के स्रोत, स्वामित्व और कर संबंधी दस्तावेजों की जांच कर रहा है। नक्शेदेखें

चार राज्यों में 50 ठिकानों पर हुई कार्रवाई

आयकर विभाग ने 18 नवंबर को पीआरए और बर्बरिक ग्रुप से जुड़े व्यावसायिक एवं अन्य परिसरों में तलाशी अभियान शुरू किया था। इस कार्रवाई के तहत छत्तीसगढ़ के रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा और सरगुजा जिले में कुल 32 ठिकानों को जांच के दायरे में लिया गया। वहीं महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा में समूह से संबंधित 18 अन्य परिसरों की भी तलाशी ली गई। इस व्यापक कार्रवाई में आयकर विभाग के करीब 120 अधिकारी शामिल रहे।

तलाशी के दौरान अधिकारियों ने कारोबारी दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड, मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संबंधित जानकारियां जुटाई हैं। अब इन सभी दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि समूह की वास्तविक व्यावसायिक गतिविधियों और घोषित वित्तीय स्थिति के बीच किसी प्रकार की विसंगति का पता लगाया जा सके।

बैंक लॉकरों में मिले करोड़ों के आभूषण

जांच के दौरान रायपुर में करीब 18 बैंक लॉकर खुलवाए जाने की जानकारी सामने आई है। इन लॉकरों से लगभग 20 करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण मिलने की बात कही जा रही है। अब आयकर विभाग की जांच इस बात पर केंद्रित है कि इन आभूषणों का वास्तविक स्वामित्व किसका है, इन्हें कब और किन स्रोतों से खरीदा गया तथा इनके संबंध में आयकर रिटर्न और अन्य वित्तीय दस्तावेजों में आवश्यक जानकारी दी गई है या नहीं।

हालांकि, आभूषणों की बरामदगी के आधार पर फिलहाल किसी कर चोरी या वित्तीय अनियमितता की पुष्टि नहीं हुई है। विभाग इनके मूल्यांकन और संबंधित दस्तावेजों का मिलान करने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट कर सकेगा।

निर्माण परियोजनाओं के खर्च और बिलिंग पर भी नजर

पीआरए और बर्बरिक ग्रुप की निर्माण, सड़क विकास तथा बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाएं भी जांच के दायरे में हैं। आयकर विभाग इन परियोजनाओं में हुए कुल खर्च, ठेकेदारों को किए गए भुगतान, बिलिंग प्रक्रिया और नकद लेनदेन से संबंधित रिकॉर्ड की जांच कर रहा है।

अधिकारियों की नजर इस बात पर भी है कि कंपनियों के वित्तीय दस्तावेजों में दर्ज खर्च और वास्तविक परियोजना लागत में कितना अंतर है। इसके साथ ही बैंक खातों में हुए लेनदेन, कंपनियों की ओर से दाखिल आयकर रिटर्न और अन्य वित्तीय विवरणों का आपस में मिलान किया जा रहा है। इससे यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कारोबार से अर्जित वास्तविक आय और घोषित आय में कोई अंतर तो नहीं है।

दस साल में कई गुना बढ़ा कारोबार, टैक्स भुगतान की समीक्षा

बताया जा रहा है कि पीआरए और बर्बरिक ग्रुप इससे पहले भी आयकर विभाग की जांच के दायरे में आ चुका है। वर्ष 2015-16 में समूह से जुड़े परिसरों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। उस समय समूह का व्यावसायिक विस्तार मौजूदा स्थिति की तुलना में काफी सीमित था।

पिछले करीब एक दशक में समूह के कारोबार और व्यावसायिक गतिविधियों में कई गुना वृद्धि होने की बात सामने आई है। इसी पृष्ठभूमि में अब विभाग कारोबार के विस्तार, घोषित आय और जमा किए गए टैक्स के आंकड़ों का तुलनात्मक परीक्षण कर रहा है। विशेष रूप से यह देखा जा रहा है कि कारोबार के वास्तविक आकार के अनुपात में आयकर भुगतान किया गया है या नहीं।



तेज रफ्तार ट्रक तीन लोगों को कुचला, युवक की मौके पर मौत, दो युवतियों ने एंबुलेंस में तोड़ा दम

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। इमली गोलाई के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक ट्रक में फंस गई और करीब 200 मीटर तक सड़क पर घिसटती रही। हादसे में बाइक चला रहे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दोनों युवतियों की भी अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई।

ट्रक में फंसकर 200 मीटर तक घिसटी मोटरसाइकिल

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक की टक्कर के बाद मोटरसाइकिल उसके हिस्से में फंस गई और करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में भवन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं भूमिका ने अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में दम तोड़ दिया। तीसरी सवार प्रमिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे मनेन्द्रगढ़ सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर किया। लेकिन उसकी हालत इतनी नाजुक थी कि अंबिकापुर पहुंचने से पहले ही पटना के पास एंबुलेंस में उसकी मौत हो गई।



इसके साथ ही हादसे में मृतकों की संख्या तीन हो गई।

बेहतर इलाज के स्वास्थ्य मंत्री ने दिए निर्देश

दुर्घटना की सूचना मिलने पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मामले का संज्ञान लिया था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल युवती को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही हादसे में हुई जनहानि पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद पूर्व विधायक गुलाब कमरो, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी, पार्षद स्वप्निल सिन्हा सहित अन्य लोग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

उपचार के बाद लौट रहे थे घर, रास्ते में हुआ हादसा

मिली जानकारी के अनुसार, बरबसपुर निवासी भूमिका अपनी सहेली प्रमिला के घर आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। मंगलवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर भूमिका, प्रमिला और भवन कुमार उपचार के लिए मनेन्द्रगढ़ के 220 बिस्तर सिविल अस्पताल पहुंचे थे। इलाज के बाद तीनों मोटरसाइकिल से नीगई के लिए रवाना हुए। बाइक भवन कुमार पिता नारायण चला रहा था। उसके साथ भूमिका और नीगई निवासी प्रमिला पिता खेलावन सिंह मरकाम सवार थीं। तीनों इमली गोलाई के पास पहुंचे ही थे कि विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, व्याख्याता को नियुक्ति तिथि से पूरा वेतन देने का आदेश

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के बीच लागू की गई परिवीक्षा अवधि की वेतन कटौती व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भर्ती का विज्ञापन जारी होने के बाद लागू किए गए नए वेतन संबंधी नियमों को पहले से चल रही भर्ती प्रक्रिया पर पिछली तारीख से लागू नहीं किया जा सकता।

इसी आधार पर हाई कोर्ट ने जीवविज्ञान के व्याख्याता विनोद कुमार वर्मा को नियुक्ति की तारीख से नियमित वेतनमान के अनुसार पूरा मूल वेतन और उससे जुड़े सभी परिणामी लाभ देने का आदेश दिया है।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु की एकल पीठ में हुई। याचिकाकर्ता विनोद कुमार वर्मा ने शासन की ओर से परिवीक्षा अवधि में कम वेतन दिए जाने के फैसले को चुनौती दी थी।

2019 में जारी हुआ था भर्ती का विज्ञापन

याचिकाकर्ता की नियुक्ति 22 फरवरी 2021 को जीवविज्ञान विषय के व्याख्याता (टी संवर्ग) के पद पर हुई थी। उन्हें शासकीय हाईस्कूल तिलौली, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में पदस्थ किया गया था। इस भर्ती के लिए शासन ने 30 सितंबर 2019 को विज्ञापन जारी किया था।



इस बीच राज्य शासन ने 28 जुलाई 2020 को एक परिपत्र जारी कर परिवीक्षा अवधि के दौरान पहले वर्ष 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था लागू की थी।

याचिकाकर्ता ने दी यह दलील

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शोभित कोष्टा ने कोर्ट में तर्क दिया कि भर्ती का विज्ञापन 30 सितंबर 2019 को जारी हो चुका था, जबकि वेतन कटौती से संबंधित परिपत्र जुलाई 2020 में आया। ऐसे में बाद में लागू की गई व्यवस्था को पहले से शुरू हो चुकी भर्ती प्रक्रिया पर लागू करना उचित नहीं है।

याचिकाकर्ता ने नियुक्ति तिथि से नियमित वेतनमान के अनुसार पूरा मूल वेतन, बकाया राशि और अन्य परिणामी लाभ देने की मांग की। वहीं राज्य शासन की ओर से पैनल लॉयर सौमित्र केशरवानी ने याचिका का विरोध करते हुए शासन का पक्ष रखा।

पुराने फैसले का दिया हवाला

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने अमृत लाल साहू एवं अन्य बनाम छत्तीसगढ़ शासन मामले में दिए गए पूर्व फैसले का हवाला दिया। कोर्ट ने भर्ती विज्ञापन जारी होने के बाद लागू किए गए नए वेतन नियमों को पिछली तारीख से प्रभावी मानकर पुरानी भर्ती प्रक्रिया पर लागू करने के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया।

कोर्ट ने इसी आधार पर विनोद कुमार वर्मा को 28 जुलाई 2020 के परिपत्र के तहत लागू कम वेतन व्यवस्था से राहत दी। आदेश में उन्हें नियुक्ति की तारीख से नियमित वेतनमान के अनुसार पूरा मूल वेतन और उससे जुड़े सभी परिणामी लाभ प्रदान करने को कहा गया है।

पशु तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम, (एजेंसी)। जिले में पशुओं की अवैध तस्करी और उनके प्रति क्रूरता के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दशरंगपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 पड़वा बरामद कर मुक्त कराए हैं। जब्त पशुओं की अनुमानित कीमत 50 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 24 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे ग्राम पिपरिया में धनराज चंद्राकर की दुकान के सामने दो आरोपी मवेशियों को मारते-पीटते हुए ले जा रहे थे। सूचना पर चौकी दशरंगपुर, थाना पिपरिया की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान पशुओं के परिवहन एवं उनके संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 413/26 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6 और 10 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विरेन्द्र धृतलहरे, निवासी ग्राम बाघामुड़ा और कमलेश दिवाकर, निवासी पिपरिया के रूप में हुई है।

दो रास्तों पर घेराबंदी, जंगल में भागा चालक

यूपी बॉर्डर से धान खपाने की कोशिश नाकाम, 63 बोरी धान सहित पिकअप जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बीच दूसरे राज्यों का धान जिले में खपाने की एक और कोशिश प्रशासन की सतर्कता से नाकाम हो गई। उत्तर प्रदेश सीमा से लगे चुनापत्थर मार्ग से धान लेकर आ रही पिकअप की सूचना मुखबिर से मिलते ही दो उड़नदस्ता टीमें सक्रिय हो गईं। वाहन किसी भी रास्ते से निकल न सके, इसके लिए दोनों टीमों ने अलग-अलग मार्गों पर मोर्चा संभाला। एक टीम का नेतृत्व जनपद पंचायत सीईओ श्री रणवीर साय ने किया, जबकि दूसरी टीम में तहसीलदार श्री आई.सी. यादव और मंडी सचिव श्री वीरेंद्र ठाकुर अपनी टीम के साथ मौजूद थे। दोनों ओर से पीछा कर पिकअप को घेर लिया गया। खुद को घिरा देख चालक वाहन छोड़कर सलवाही के जंगल में भाग निकला। तलाशी में पिकअप से 63 बोरी धान बरामद हुआ। वाहन को धान सहित डिंडो थाना के सुपुर्द कर दिया गया है। दूसरे राज्य के धान की अवैध बिक्री गंभीर अपराध है और



इसके लिए कड़े कानूनी प्रावधान हैं। छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 23 में वाहन रोकने और धारा 20 में जांच, प्रवेश व जब्ती का अधिकार मंडी सचिव और अन्य लोक सेवकों को दिया गया है। धारा 20(2) और 20(3) के तहत अवैध परिवहन में लगे वाहनों को जब्त किया जा सकता है। ऐसे मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 7 के तहत कारावास, जुर्माना और जब्ती का प्रावधान है। साथ ही भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत भी अपराध दर्ज किया जा सकता है। पुलिस अवैध परिवहन में लगे ट्रक या ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे वाहनों को जब्त कर सकती है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी का लाभ केवल जिले के वास्तविक किसानों को मिले, इसके लिए सीमावर्ती मार्गों पर उड़नदस्ता टीमें लगातार नजर रख रही हैं। कोचियों और बिचौलियों को चेतावनी दी गई है कि बाहरी धान लाने, परिवहन करने या खपाने की कोशिश पर वाहन जब्ती के साथ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि अवैध धान परिवहन की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।

कुसमी के किसानों ने सीखी प्राकृतिक खेती की तकनीक, 100 से अधिक किसानों को मिला प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने और कम लागत में टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, बलरामपुर ने कुसमी विकासखंड की ग्राम पंचायत गोपीनगर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत हुए इस प्रशिक्षण में गोपीनगर और केंदली ग्राम पंचायतों के 100 से अधिक चयनित किसान शामिल हुए। कार्यक्रम इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक विस्तार सेवाएं के निर्देश पर और कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. जी.के. निगम के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें उपसंचालक कृषि और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कुसमी का सहयोग रहा।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. इंद्रपाल सिंह पैकरा ने किसानों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, महत्व और सिद्धांतों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों



के उपयोग से खेती की लागत घटती है, और इससे मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन भी बेहतर होता है। किसानों को बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र और ब्रह्मास्त्र जैसे प्राकृतिक आदान बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मल्चिंग, वाफसा और फसल विविधीकरण जैसी तकनीकें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वैज्ञानिकों ने बताया कि गांव में ही प्राकृतिक आदान तैयार करने से बाहरी आदानों पर निर्भरता कम होगी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी श्री बर्सत टोप्पो, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री अशोक कुजूर, गोपीनगर की सरपंच श्रीमती लीलावती बेक, सचिव श्री इस्पात राम, केंदली के सरपंच श्री कमल राम और सचिव श्रीमती नयन तारा भगत उपस्थित रहे। किसानों ने उत्साह से भाग लेकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

बीएमएस की जिला स्तरीय कमेटी का गठन, अरुण बने जिला महामंत्री

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भारतीय मजदूर संघ बीएमएस के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र पांडेय की अध्यक्षता में बीएमएस कार्यालय में आयोजित बैठक में जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। बैठक में शालिग्राम को जिला अध्यक्ष, अरुण पांडेय को जिला महामंत्री तथा आनंद प्रजापति को जिला कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही 10 अन्य सदस्यों को भी जिला कमेटी में शामिल किया गया है।



इस प्रकार 13 सदस्यीय जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मजदूरों एवं कर्मचारियों के हितों की रक्षा तथा उनके अधिकारों की आवाज बुलंद करने के साथ भारतीय मजदूर संघ को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया गया।

खेलने के दौरान कुएं में गिरने से मासूम की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खेलने के दौरान घर के समीप स्थित कुएं में गिरने से एक मासूम की मौत हो गई है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि अवराडुगु निवासी लोहारी अकबर युनुस भाई का 8 वर्षीय पुत्र अनवर खान मंगलवार को घर के सामने बच्चों के साथ खेल रहा था। काफी देर तक वापस घर में ना पहुंचने पर परिजन द्वारा जब खोजबीन किया गया तब मासूम अनवर खान पास में स्थित कुएं में दिखाई पड़ा। परिजन द्वारा आनन फानन में मासूम को कुएं से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री आवास का निर्माण जल्द शुरू करने के निर्देश, हितग्राहियों को पीएम सूर्यघर योजना की भी दी जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में तेजी लाने के लिए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रणवीर साय ने ग्राम पंचायत महावीरगंज में आवास चौपाल लगाई। चौपाल में हितग्राहियों को आवास निर्माण जल्द शुरू करने और निर्माणाधीन आवासों का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिले और निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं और शिकायतें भी सुनी गईं और उन्हें आवश्यक जानकारी दी गई। जिन हितग्राहियों के आवास पूरे हो चुके हैं, उन्हें पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में पंजीयन कराने की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अनुविभागीय अधिकारी श्री पौल खलखो, उप अभियंता श्री अनुपम पाण्डेय, जनपद सदस्य श्री राजकुमार यादव, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

श्री सत्य साईं बाबा के जन्मोत्सव पर हुए विविध कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री सत्य साईं सेवा समिति विश्रामपुर द्वारा सत्य साईं बाबा जी के 101 वें जन्मोत्सव साईं धाम में बाल विकास के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति, संध्या भजन एवं केक काटकर मनाया गया। श्री सत्य साईं बाबा के जन्मोत्सव को पूरे विश्व में साईं सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। पूरे सप्ताह भर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस निमित्त 17 से 23 नवंबर तक प्रातः काल 5 बजे से साईं भक्तों के यहां से प्रभात फेरी निकाली गई एवं सायं 6 बजे से 7 बजे के बीच संध्या भजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। श्री सत्य साईं बाबा के 101 वें जन्मोत्सव के अवसर पर साईं धाम में प्रातः 5 बजे प्रभात फेरी एवं संध्या 5.30 बजे से मंदिर में गणेश



वंदना, वेदपाठ पश्चात भक्तों के द्वारा भजन किया गया। भजन के बाद अहिंसा रूप, दया रूप, शांति रूप के बाल विकास के बच्चों द्वारा गणपति मंत्र, प्रार्थना गीत, सरस्वती वंदना नृत्य, रामायणाष्टकम, देश भक्ति गीत, रामायण एकांकी नाटक, बाबा जन्मदिन गीत आदि कार्यक्रम की मनोरम प्रस्तुति दी गई। बच्चों को बाल विकास गुरुओं के द्वारा पारितोषिक वितरण कर बच्चों की हौसला आफजाई की गई। इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी मिनी पानीकर ने साईं बाबा के जन्मोत्सव एवं साईं सप्ताह के बारे में अपना विचार व्यक्त किया।कार्यक्रम के अंतिम चरण में महामंगल आरती, भोग प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय भारत ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी साईं भक्त सक्रिय रहे।

मुख्यमंत्री 27 नवंबर को रघुनाथनगर के कर्मा महोत्सव में होंगे शामिल

★ कलेक्टर ने तैयारियों का किया निरीक्षण ★ कार्यक्रम स्थल पर लगेगा नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर, 10 विशेषज्ञ देंगे सेवाएं



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 27 नवंबर 2026 को वाड्रफनगर विकासखंड के रघुनाथनगर में आयोजित कर्मा महोत्सव में शामिल होंगे। महोत्सव शासकीय हाई स्कूल ग्राउंड, रघुनाथनगर में होगा और इसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज कार्यक्रम स्थल पहुंचकर हेलीपैड, मुख्य मंच सहित सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक, पेयजल, बिजली, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की व्यवस्थाएं समय पर और पुख्ता ढंग से पूरी की जाएं, ताकि महोत्सव में आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने महोत्सव स्थल पर लगने वाले नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर की तैयारियों का भी बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से कहा कि स्वास्थ्य पंजीयन व्यवस्था पारदर्शी और सुविधाजनक हो। पंजीयन से लेकर जांच और स्क्रीनिंग तक की पूरी प्रक्रिया क्रमवार चले, ताकि लोगों को कतार में अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े और सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिल सके। शिविर में दूरस्थ अंचलों के निवासियों और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के परिवारों पर खास ध्यान दिया जाएगा। शिविर मुख्य रूप से महिलाओं के लिए आयोजित है, किंतु बच्चे, बुजुर्ग और पुरुष भी यहां नि:शुल्क जांच व परामर्श का लाभ ले सकेंगे। स्त्री रोग, त्वचा रोग, सामान्य चिकित्सा, नेत्र रोग, मानसिक रोग, हड्डी रोग, शल्य चिकित्सा, कान-नाक-गला, कैंसर और शिशु रोग के 10 विशेषज्ञ चिकित्सक शिविर में सेवाएं देंगे। शिविर में मासिक धर्म की अनियमितता, श्वेत प्रदर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दृष्टि दोष, चिंता व अनिद्रा, जोड़ों के दर्द और गठिया जैसी समस्याओं की जांच की जाएगी। साथ ही स्तन में गांठ और मुंह पर धब्बे जैसे कैंसर के संभावित लक्षणों की स्क्रीनिंग भी होगी। बच्चों में कुपोषण, उल्टी-दस्त और बार-बार होने वाले निमोनिया जैसी समस्याओं पर भी विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध रहेगा।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

सिहावा-नगरी को पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर लाने की तैयारी, पहले चरण में 20 करोड़ के होंगे विकास कार्य

धमतरी, (एजेंसी)। ऋषि-मुनियों की तपोभूमि सिहावा-नगरी को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। नगरी प्रवास के दौरान कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने श्रृंगीऋषि पर्वत और कर्णेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने श्रृंगीऋषि विकास समिति और कर्णेश्वर मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं, मंदिरों के विकास और श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि नगरी वास्तव में ऋषियों की भूमि है। सिहावा के बारे में उन्होंने बहुत कुछ सुना था। महानदी, जो दो राज्यों के करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है, उसके उद्गम स्थल की देखरेख और विकास की जिम्मेदारी धमतरी आकर उन्हें मिली है। यह उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से सिहावा-नगरी में अपार संभावनाएं हैं। यहां मंदिर, नदियां, पहाड़,



जंगल और प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र एक साथ मौजूद हैं। सात ऋषियों के नाम पर अलग-अलग पहाड़ होना इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान है। प्रकृति और आध्यात्मिकता का ऐसा संगम बहुत कम स्थानों पर देखने को मिलता है। जरूरत है इन सभी विशेषताओं को एक समग्र पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित करने की। जिला प्रशासन का प्रयास है कि सिहावा को देश के पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाई जाए।

कलेक्टर ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए जिला प्रशासन द्वारा कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रथम चरण में खरसिया गांव में विकास कार्य कराए गए हैं। श्रृंगीऋषि मार्ग को सुगम और बेहतर बनाने के लिए सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। कर्णेश्वर मंदिर, महानदी के संगम स्थल और श्रृंगीऋषि पर्वत को विकसित करने के लिए बड़े स्तर पर कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि महानदी की सुंदरता को निखारने के लिए गणेश घाट में भव्य घाट का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए नियोजन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उनका कहना था कि नदी की सुंदरता घाटों से और निखरती है। घाट विकसित होने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

क्षेत्र में पर्यटकों के रात्रि विश्राम के लिए रिजॉर्ट, सामाजिक एवं अन्य आयोजनों के लिए हॉल तथा गार्डन का निर्माण भी प्रस्तावित है। इन निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने की बात कही गई। कर्णेश्वर मंदिर परिसर में भी गार्डन विकसित किया जाएगा। पिंडदान सहित अन्य धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों के लिए बड़े लंगर हॉल का निर्माण किया जाएगा। संगम स्थल को भी अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाया जाएगा।

आग लगने से ग्रामीण का घर व अंदर रखा सामान जलकर हुआ खाक, 1 लाख के क्षति का अनुमान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार की दोपहर जिले के ग्राम गोविन्दपुर स्थित एक ग्रामीण के मकान में अचानक आग लग गई। इस घटना में मकान व अंदर रखा सामान पूरी तरह जलकर खाख हो गया है। ग्रामीणों ने सूरजपुर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी जिसके बाद प्राप्त सूचना उपरांत घटना स्थल पर फायर वाहन मय टीम के साथ घटना स्थल पहुंची, जिसकी मदद से आग पर काबू पाया गया। बताया गया है कि ग्राम गोविंदपुर निवासी दिसु राम का परिवार मंगलवार को खेत मे काम करने गया था इसी दौरान दोपहर में उसके घर से अचानक आग का गुबार उठता देख आसपास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना दिसु राम को दी। जानकारी लगने पर वह घर पहुंचा तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। मोहल्ले के लोग आग बुझाने का उपक्रम कर रहे थे मगर आग की भयावहता के आगे वह नाकाम साबित हुआ। इस बीच ग्रामीणों ने आगजनी की सूचना पुलिस कंट्रोल सूरजपुर को दी। सूचना प्राप्ति उपरांत फायर वाहन मय टीम के साथ घटना स्थल पहुंची और आग पर काबू पाया गया। आग के बीच घर के अंदर बंधे दो मवेशियों को फायर टीम के द्वारा सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना में ग्रामीण का घर व उसमें रखा समान व मिसाई कर रखा धान पूरी तरह जलकर खाक हो गया है। इस घटना में करीब 1 लाख रुपये की क्षति का अनुमान लगाया गया है।



अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की कार्यशाला में प्रदीप गौर के विवादित बयान से मचा बवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की कार्यकर्ता कार्यशाला में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री प्रदीप गौर के बयान से बवाल मच गया। वहीं चार दिवसीय प्रवास पर पहुंचे संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने संगठन विस्तार और गतिविधियों की समीक्षा की।

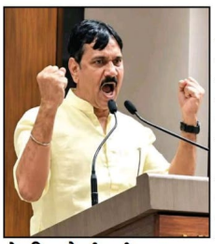

गर्भपात को लेकर कही आपत्तिजनक बात

गौर ने हनुमान जी के लंका प्रसंग का हवाला देते हुए कहा कि 'जय श्रीराम' के नारे इतनी जोर से लगाए जाएं कि जिस महिला के गर्भ में आतंकवादी पल रहा है, उसका गर्भपात हो जाए। उन्होंने दावा किया कि लंका में हनुमान जी के नारों से राक्षसनियों का गर्भपात हो गया था।

तोगड़िया ने की समीक्षा

डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने रायपुर जिला कार्यकारिणी की बैठक में हिंदू हेल्पलाइन और हनुमान चालीसा केंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने घर-घर संपर्क और संगठन की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया और हिंदू समाज की सुरक्षा, समृद्धि व एकजुटता के लिए शपथ दिलाई।

शपथ के दौरान कश्मीर से हिंदुओं के विस्थापन, हिंसा और अत्याचार का उल्लेख करते हुए समाज को संगठित और आत्मनिर्भर बनाने की बात कही गई। जरूरतमंद परिवारों की सहायता और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर भी बल दिया गया। तोगड़िया ने कहा कि संगठन ऐसे समाज के निर्माण में काम करेगा, जहां हर परिवार को सम्मान, युवाओं को रोजगार और परिवारों को खुशहाल जीवन मिले।

सामूहिक हनुमान चालीसा का संकल्प

कार्यशाला में हर मंगलवार और शनिवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प लिया गया, जिससे आपसी सहयोग, सेवा और समरसता बढ़े।

उत्तर क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता मे अंबिकापुर बना ओवरऑल चैंपियन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का समापन समारोह आज उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. वी.के. सिंह, पूर्व अधिष्ठाता राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. डी.के. गुप्ता, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कोरिया; डॉ. जी.पी. पैकरा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, शंकरगढ़; डॉ. पी.एस. राठिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, प्रतापपुर; डॉ. संदीप शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा तथा डॉ. आशीष श्रीवास्तव, प्राचार्य, एमडीएस कॉलेज, अंबिकापुर उपस्थित रहे। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में उत्तर क्षेत्र के विभिन्न कृषि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर विजेता तथा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, प्रतापपुर उपविजेता रहा। एथलेटिक इवेंट्स में राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर की छात्रा इशा टोप्पो एवं कौशल्या डोडी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन, टीम भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. नीलम चौकसे ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साथ ही के.एल. पैकरा, सह-निदेशक, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र ने खेलों से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामूहिक भावना के विकास के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अरुण कुमार नायक, क्रीड़ा अधिकारी; डॉ. नीलम चौकसे, प्राध्यापक, कृषि सांख्यिकी तथा डॉ. पी.के. भगत, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आलू अनुसंधान केंद्र, मैनपाट, डॉ. आर.एस. सिदार, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. महिपाल, डॉ. जहार सिंह, डॉ. सतेन्द्र गुप्ता, डॉ. अखिलेश लकड़ा एवं डॉ. सचिन कुमार जायसवाल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण एवं खेल भावना के संदेश के साथ हुआ। इस दौरान समस्त कृषि महाविद्यालय के टीम मैनेजर सहित समस्त अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



विधायक ने मितानिन दिवस पर साड़ी-श्रीफल देकर मितानिनों का किया सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। मितानिन दिवस के अवसर पर विधायक निवास पटना में मितानिन संवाद सह मितानिन सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा भर से करीब 1200 मितानिन बहनें शामिल हुईं। विधायक भूलन सिंह मरावी द्वारा सभी मितानिनों का सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ में 23 नवंबर को मितानिन दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़कर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाली मितानिनों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस बार क्षेत्र की मितानिनों के लिए मितानिन दिवस खास रहा, जब प्रेमनगर विधायक के पटना स्थित आवास कार्यालय में विधानसभा स्तरीय भव्य मितानिन संवाद सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मितानिनों को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह ने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में हमारी मितानिन बहनों का बहुत बड़ा योगदान है। मितानिन दीदियां ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाली सबसे मजबूत कड़ी हैं और जन-जन तक उनके माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध हो रही हैं। इस अवसर पर विधायक मरावी ने सभी मितानिनों को साड़ी व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाली मितानिनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।



इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, देवनगर मंडल अध्यक्ष अनिल साहू, महामंत्री सौभाग्य दुबे, जिला मंत्री राजेश्वर तिवारी, अजजा मोर्चा के जिला महामंत्री सुन्दर सिंह, विधायक प्रतिनिधि संत साहू, अजय प्रताप सिंह, बीएमओ डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ. एसके त्रिपाठी, डॉ. जायसवाल, विजय सिंह सहित बड़ी संख्या में मितानिन व अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

30 राज्यों के 250 खिलाड़ी दिखाएंगे दम, उपमुख्यमंत्री साव ने किया राष्ट्रीय बैडमिंटन स्पर्धा का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मोवा स्थित आईस्पोर्ट्ज. बैडमिंटन एरिना में 5वीं मिनी राष्ट्रीय बैडमिंटन स्पर्धा का शुभारंभ किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में 30 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।



'बैडमिंटन में धैर्य, एकाग्रता और चपलता जरूरी'

साव ने कहा कि बैडमिंटन में धैर्य, चपलता, तेज नजर और तुरंत निर्णय लेने की क्षमता जरूरी है। ऐसी प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को देशभर की प्रतिभाओं से सीखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि सरकार खेल अधोसंरचना का विस्तार कर रही है और बैडमिंटन स्टेडियम निर्माण को स्वीकृति दी गई है, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलें। साव ने बताया कि एणियन पैरा गेम्स-2026 में अभिजीत सखूजा ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया, जिनके लिए सीएम ने 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि की घोषणा की है।

अगले 3 दिन में उत्तरी छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी ठंड, सुबह-रात में सताएगी सर्दी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले तीन दिनों में उत्तरी छत्तीसगढ़ के न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। इससे उत्तरी छत्तीसगढ़ में ठंड का असर बढ़ने की संभावना है। हालांकि, प्रदेश के शेष हिस्सों में अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, बीते दिनों प्रदेश में एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, वर्षा के प्रमुख आंकड़े निरंक रहे हैं। आने वाले दिनों में प्रदेश का मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान जगदलपुर में 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान भी जगदलपुर में 16.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तरी छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रदेश के अन्य हिस्सों में तापमान लगभग स्थिर रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में गिरावट के चलते उत्तरी छत्तीसगढ़ में सुबह और रात के समय ठंड का एहसास बढ़ सकता है। मौसम विभाग की ओर से अगले दिन के लिए किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। इसके अलावा दो दिनों के बाद भी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। वर्तमान में किसी सक्रिय सिनोप्टिक सिस्टम का उल्लेख नहीं किया गया है। राजधानी रायपुर के मौसम की बात करें तो मंगलवार, 24 नवंबर को आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहने की संभावना है। शहर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। फिलहाल मौसम विभाग ने प्रदेश में किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की है।



10 दिन की पैरोल पर बाहर आया, 18 साल से नहीं लौटा हत्या का दोषी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। हत्या के मामले में सजा काट रहा एक बंदी पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद पिछले 18 वर्षों से फरार है। वर्ष 2008 में 10 दिन की पैरोल मिलने पर केंद्रीय जेल रायपुर से रिहा हुआ गणेश देवांगन निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बाद भी वापस जेल नहीं लौटा। लंबे समय तक उसका पता नहीं चलने के बाद अब जेल प्रशासन की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



2008 में 10 दिन की पैरोल पर हुआ था रिहा

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गणेश देवांगन पिता लक्ष्मीनारायण देवांगन को 23 जुलाई 2008 को जिला दंडाधिकारी रायपुर के आदेश पर केंद्रीय जेल से 10 दिनों की पैरोल दी गई थी। पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद उसे जेल में वापस उपस्थित होना था, लेकिन वह निर्धारित समय पर नहीं लौटा। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका।

18 साल बाद जेल प्रशासन ने की कार्रवाई की मांग

इस मामले में केंद्रीय जेल रायपुर के अधीक्षक ने 19 नवंबर 2026 को कोतवाली थाना प्रभारी को पत्र भेजकर फरार बंदी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। पत्र में बंदी का नाम गणेश देवांगन और जेल क्रमांक 9480/95 दर्ज है। जेल प्रशासन के अनुसार, पैरोल की अवधि पूरी होने के बाद बंदी के वापस नहीं आने पर पहले भी पुलिस से पत्राचार किया गया था।

पुरानी बस्ती क्षेत्र का रहने वाला है बंदी

जेल के दस्तावेजों में गणेश देवांगन का पुराना पता रायपुर के पुरानी बस्ती क्षेत्र में मिनीमाता चौक और बूढ़ेश्वर चौक के आसपास का दर्ज है। पुलिस ने प्राप्त दस्तावेजों और थाना क्षेत्र की सीमा का परीक्षण करने के बाद मामले को कोतवाली थाना क्षेत्र का पाया।

आईपीसी की धारा 224 के तहत अपराध दर्ज

जेल अधीक्षक के पत्र में इस प्रकरण को उच्च न्यायालय से संबंधित बताते हुए फरार बंदी की वर्तमान स्थिति का पता लगाने और एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। दस्तावेजों के आधार पर कोतवाली पुलिस ने गणेश देवांगन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 224 के तहत अपराध दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

सट्टे में 70 लाख के लेनदेन और कर्ज से टूटा साजिद, पूरे परिवार को उतारा मौत के घाट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रारायपुर। राजधानी रायपुर के संजय नगर में 5 लोगों की सामूहिक मौत मामले में करीब 7 महीने बाद बड़ा खुलासा हुआ है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में हुए खुलासे के बाद पुलिस ने मृतक मुखिया साजिद अली को हत्या का आरोपी बनाया है, जिसने अपनी पत्नी और 3 बच्चों को कीटनाशक देकर मौत के घाट उतारा था। इसके बाद उसने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी।



सट्टे में घाटे से था परेशान

एसआईटी जांच के मुताबिक, साजिद सट्टे के कारोबार में घाटे और आर्थिक तंगी से परेशान था। वह गोलबाजार और डगनिया इलाके में मोबाइल के जरिए सट्टा खिलाता था। बैंक खातों की जांच में पिछले पांच साल के दौरान करीब 70 लाख रुपये का लेनदेन सामने आया है। कारोबार बंद होने के बाद उसकी आर्थिक परेशानी बढ़ गई थी। जांच में यह भी पता चला कि घटना वाले दिन साजिद ने अपने बेटे इशाद को दो बार फोन कर घर बुलाया था। वह मिठाई और खाना भी लेकर आया था, जिसके बाद उसने खाने-पीने की चीजों में कीटनाशक मिलाकर पत्नी राबिया और तीन बच्चों को खिला दिया था। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, सुबह 10:18 बजे वह आखिरी बार घर का दरवाजा बंद करते दिखाई दिया। वहीं, घटना से करीब ढाई महीने पहले उसने एक परिचित से परिवार के साथ संबंध अच्छे नहीं होने और जीने का मन नहीं करने की बात कही थी। करीब पांच महीने तक चली जांच के बाद टिकरापारा पुलिस ने साजिद अली के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया है।

मितानिन दिवस पर तीन पंचायतों में दीदियों का सम्मान, साल-श्रीफल और साड़ी भेंट की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। मितानिन दिवस के शुभ अवसर पर ग्राम पंचायत बुंदिया, करस्र एवं सोनपुर राजकिशोर नगर में मितानिन दीदियों और स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली मितानिन दीदियों को साल, श्रीफल एवं साड़ी भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष शिवलोचनी पैकरा एवं जनपद पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह मार्को शामिल हुए। इसके अलावा सरपंच गोरेलाल टोप्पो, छोटेलाल पैकरा, भगवती पैकरा, बसंत सिंह, उपसरपंच प्यारे लाल मिंज, मुनेश्वर एवं धनेश्वरी राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता ने सभी मितानिन दीदियों को मितानिन दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गांवों और पारा-मोहल्लों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मितानिन दीदियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, प्रसव के दौरान सहयोग, बच्चों के टीकाकरण से लेकर छोटी-बड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता और उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने में वे निरंतर अपनी सेवाएं देती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में भी मितानिन दीदियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सेवा की और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका कार्य केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक है। वहीं जनपद अध्यक्ष शिवलोचनी पैकरा एवं जनपद पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह मार्को ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मितानिन दीदियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण तथा स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में मितानिनों की भूमिका सराहनीय है। सभी अतिथियों ने मितानिन दीदियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता शिवनाथ पैकरा, राजेंद्र तिवारी, बहादुर कंसेल, शिवसरन पैकरा, जागर साय, लखन मानिकपुरी, बाबूलाल यादव, नरेंद्र, नरेश, भोला, राजेश, महामंत्री जयप्रकाश यादव, सोबरान, आरएचओ सावित्री कुशवाहा, आवन्ती पैकरा, संतोषी मानिकपुरी, गीता, सनिहारो, सचिव अनिता गुप्ता, रामबृक्ष सोनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मितानिन दीदियों के सेवाभाव और समर्पण की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया।



चिंतन

चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच नेपाल से संतुलन जरूरी



जलवायु परिवर्तन

पंकज चतुर्वेदी

नेपाल के साथ रिश्तों में मजबूती भारत की पड़ोसी नीति ही नहीं, बल्कि उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और सामरिक हितों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव और नेपाल में उसके आर्थिक व रणनीतिक विस्तार के बीच भारत के लिए जरूरी है कि वह इस हिमालयी पड़ोसी का भरोसा मजबूत करे। सड़क, रेल, ऊर्जा, जलविद्युत और व्यापार के क्षेत्र में ठोस सहयोग देकर भारत नेपाल की विकास यात्रा का स्वाभाविक साझेदार बन सकता है। पाकिस्तान के साथ चीन की गहरी होती सैन्य साझेदारी और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती सक्रियता ने क्षेत्रीय शक्ति संतुलन की चुनौती को और गंभीर बना दिया है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की वार्ता द्विपक्षीय संबंधों के साथ व्यापक सामरिक हितों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। अमेरिकी कांग्रेस के अधीन गठित यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चीन भारत की बढ़ती आर्थिक और सैन्य क्षमता को अपने क्षेत्रीय प्रभाव के लिए चुनौती मानता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन-पाकिस्तान सैन्य गठजोड़ की भूमिका ने भी भारत की चिंताएं बढ़ाई हैं। चीन की यह रणनीति केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर तनाव से लेकर हिंद महासागर में नौसैनिक और निगरानी गतिविधियों के विस्तार तक उसके कदम भारत के लिए व्यापक सुरक्षा चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसे में भारत को सैन्य तैयारियों के साथ कूटनीतिक मोर्चे पर भी सतर्कता बरतनी होगी। इस परिदृश्य में नेपाल का सामरिक महत्व और बढ़ जाता है। भारत के साथ खुली सीमा, गहरे सांस्कृतिक संबंध और आर्थिक निकटता नेपाल को स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी बनाते हैं। दूसरी ओर, चीन सड़क, रेल, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के जरिए वहां अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। भारत के सामने चुनौती नेपाल को किसी खेमे में खड़ा करने की नहीं, बल्कि ऐसा भरोसेमंद साझेदार बनने की है, जिसके साथ जुड़ाव उसे विकास और समृद्धि के अधिक अवसर दे। मोदी और बालेन्द्र शाह की वार्ता इस दिशा में नई संभावनाएं खोल सकती है। ऊर्जा, जलविद्युत, रेलवे, संपर्क और बुनियादी ढांचे में सहयोग दोनों देशों के लिए पारस्परिक लाभ का आधार बन सकता है। नेपाल की जलविद्युत क्षमता और भारत का विशाल ऊर्जा बाजार एक-दूसरे के पूरक हैं। बिजली व्यापार से नेपाल को राजस्व और रोजगार के अवसर मिलेंगे, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत बढ़ाने में मदद मिलेगी। रेल और सड़क संपर्क के विस्तार तथा व्यापारिक सुविधाओं में सुधार से सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को भी गति मिल सकती है। इसके लिए जरूरी है कि द्विपक्षीय समझौतों और परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। भारत-नेपाल संबंधों में सीमा विवाद, व्यापार और पारगमन से जुड़े मुद्दे तथा राजनीतिक असहमतियां भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। इनका समाधान निरंतर संवाद और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। चीन के बढ़ते प्रभाव का संतुलन बनाने के लिए उसे विकल्पों से वंचित करना नहीं, बल्कि बेहतर विकल्प उपलब्ध कराना जरूरी है। भारत की क्षेत्रीय ताकत केवल उसकी सैन्य और आर्थिक क्षमता से नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों के साथ उसके संबंधों की मजबूती से भी तय होती है। इसलिए नेपाल के साथ सहयोग को नई ऊंचाई देना समय की मांग है। चीन की चुनौती का जवाब प्रतिस्पर्धा और दबाव से अधिक भरोसे, निवेश, विकास और समय पर पूरे होने वाले वादों से दिया जा सकता है।

एक्शन प्लान कागज पर, संकट जमीन पर

मानसून विदा हो गया और सामने दिख रहा है कि देश का बड़ा हिस्सा सूखा है और इसका कारण अल नीनो है। यह अब हर साल का झंझट है कि गर्मियों में लू और पारा रिकॉर्ड तोड़ता है। मानसून में कहीं बादल फटते हैं तो कहीं शहर डूब जाते हैं। पहाड़ दरकते हैं, नदियां सूखती हैं और खेत या तो प्यासे रह जाते हैं या बाढ़ में बह जाते हैं। जलवायु परिवर्तन अब आम आदमी के रोज के अनुभव का हिस्सा है। फिर भी सवाल बना हुआ है कि जब केंद्र से लेकर राज्यों तक सबके पास जलवायु कार्य योजनाएं हैं, तो असर कम क्यों नहीं दिखता। शुरुआत 2008 में हुई, जब भारत ने राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (एनएपीसीसी) जारी की। इसके बाद 2009 में केंद्र ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से अपनी-अपनी राज्य कार्य योजनाएं (एसएपीसीसी) बनाने को कहा।

आज 34 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी योजना तैयार कर चुके हैं। दस्तावेजों की गिनती में हम आगे हैं, पर इन योजनाओं का हश्र उत्तराखंड, कश्मीर और दिल्ली के अनुभव से साफ़ दिखता है। उत्तराखंड से शुरू करें, जहां 2013 की केदारनाथ त्रासदी के बाद योजना की पोल खुली। आपदा के वक़्त चर्चा में आया कि राज्य की जलवायु कार्य योजना का मसौदा ऐसी चेतावनियों से भरा था और बादल फटने से आई बाढ़ एक ऐसी आपदा थी, जिसका इंतज़ार किया जा रहा था। राज्य सरकार को ख़तरे की जानकारी थी। 2012 में उत्तराखंड कार्य योजना ने ऐसी आपदाओं की संभावना और उन्हें टालने के उपायों का आकलन कर लिया था। उस दौर के एक विश्लेषण में यह भी दर्ज हुआ कि राज्य के शासन-प्रशासन में जलवायु चिंताओं का एकीकरण बिल्कुल नहीं दिखता। आपदा विश्लेषण में यह भी पाया गया कि स्थानीय स्तर पर संवेदनशीलता का आकलन नहीं हुआ था और नदियों के बाढ़ क्षेत्र में इमारतें बनने दी गईं। योजना काग़ज़ पर कहती रही कि जोखिम है, और निर्माण की मंज़ूरियां उसी जोखिम वाली जगहों पर मिलती रहीं। राज्य की मौजूदा योजना पर भी विशेषज्ञों की राय है कि 2016 में मंज़ूर यह योजना सामान्य क्षेत्रवार सुझाव देती है और इसके पास संसाधन सीमित रहे हैं। इसके बाद भी बाढ़, भूस्खलन और दरकते पहाड़ों की ख़बरें साल दर साल लौटती रहीं। कश्मीर की कहानी बताती है कि योजना का देर से जागना भी नुकसान है। जम्मू-कश्मीर की पहली जलवायु कार्य योजना 2012 की है, लेकिन स्थानीय विशेषज्ञों के मुताबिक़ लगभग दस साल पहले राज्य-विशेष योजना का वादा हुआ, पर अधिकारियों ने जलवायु परिवर्तन की गंभीरता नहीं समझी और काम बहुत देर से 2023 में शुरू हुआ। इस बीच जमीन पर हालात बिगड़ते गए। झेलम के जलस्तर में 2025 में 50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई, जिसका कारण बढ़ता तापमान और लंबे सूखे दौर बताए गए। जिस नदी में कभी 2014 की बाढ़ ने श्रीनगर को डुबोया, वही अब सूखे की मार झेलती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के क़रीब 12,243 ग्लेशियरों के उपग्रह अध्ययन में हर साल औसतन 35 सेंटीमीटर जल-समतुल्य द्रव्यमान की कमी पाई गई। ग्लेशियर घटेंगे तो घाटी की खेती, पनबिजली और पीने के पानी, तीनों पर असर पड़ेगा। आज राज्य दूसरी कार्य योजना बना रहा है। पहली योजना जिस काम के लिए थी, यानी हिमालयी



पारिस्थितिकी और जल संसाधनों को बचाना, उसमें कितनी प्रगति हुई, यह सवाल अभी अनुत्तरित है। देश की राजधानी दिल्ली भी इसी कतार में खड़ी है। दिल्ली की मौजूदा योजना 2011 में आकार लेने लगी थी और 2019 में जाकर जारी हुई, यानी लगभग आठ साल लगे। देरी इतनी थी कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण को योजना में क़रीब दो साल की देरी पर सरकार को फटकार लगानी पड़ी। जारी होने के बाद भी हाल यह रहा कि योजना 2019 से काग़ज़ पर तैयार थी, पर लू की चेतावनी तब भी नहीं मिल रही थी। लू से निपटने की अलग योजना के लिए भी 2023 में ग्रीनपीस इंडिया और हीटवेव एक्शन कोलिशन को मुख्यमंत्री को पत्र लिखना पड़ा। बाद में जब दिल्ली अभूतपूर्व लू और भारी बारिश से जूझी, तो ख़बर आई कि राजधानी एक नई, पर बहुत देर से बनी, योजना को इसी साल लागू करने की उम्मीद कर रही है। जो शहर हर सर्दी में ज़हरीली हवा, हर गर्मी में जानलेवा तापमान और हर बरसात में जलभराव झेलता है, वहां जलवायु योजना की यह रफ़्तार चौंकाने वाली है। इन तीन उदाहरणों में एक साझा सूत्र है। पहला, पैसा। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक़ एनएपीसीसी के क्रियान्वयन में लगभग 38 अरब डॉलर का अंतर है। कर्नाटक की योजना की समीक्षा में दर्ज हुआ कि राज्य की कार्य योजना के तहत तय कार्यों के लिए धन की व्यवस्था कमजोर रही। दूसरा, योजनाओं का स्वरूप। नेतृत्व और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी, कार्यों का स्पष्ट न होना और यह मान लेना कि पैसा केंद्र या कहीं ओर से आ जाएगा, अमल की प्रमुख बाधाएं हैं। तीसरा, जिम्मेदारी का बंटवारा। ज्यादातर राज्यों में वन और पर्यावरण विभाग योजना बनाते हैं, जबकि दूसरे विभागों में जलवायु के असर की समझ और ठोस रणनीति अक्सर नहीं होती। योजनाएं जिन विभागों के लिए लिखी गईं, यानी जल, बिजली, खेती और शहरी विकास, वे अपने पुराने तरीके से चलते रहे। चौथा, निगरानी का अभाव। केंद्र की समिति ने अब तक एसएपीसीसी की प्रगति पर 12 बैठकें की हैं। डेढ़ दशक में इतनी कम बैठकों से अमल की गंभीरता का अंदाजा लग जाता है। एक और बात ग़ौर करने की है। योजनाएं अक्सर विकास के नाम पर वही करती रहीं जो पहले से हो रहा था। राज्यों की जलवायु कार्य योजनाओं को टिकाऊ विकास की योजना का पर्याय माना जाता रहा और उनमें हालात बिगड़ने की आशंका की जगह मौजूदा स्थिति को आधार बनाया गया। इसलिए एक तरफ़ पहाड़ों की नाजुकता की बात होती है और दूसरी तरफ़ चौड़ी सड़कें और बिजली परियोजनाएं मंज़ूर होती हैं। एक तरफ़ दिल्ली में पेड़ लगाने और यमुना साफ़ करने के ऐलान होते हैं, और दूसरी तरफ़ नदी का किनारा निर्माण के लिए खुलता है। जब योजना और विकास के फ़ैसले दो अलग पटरियों पर चलें, तो असर काग़ज़ तक ही रह जाता है। रास्ता कठिन नहीं है, बस इच्छाशक्ति मांगता है। हर योजना के साथ बजट का स्पष्ट प्रावधान हो और जलवायु का हिस्सा बजट में अलग दिखे। कार्य योजना किसी एक विभाग का नहीं, पूरी सरकार का दायित्व बने, जिसमें हर विभाग का लक्ष्य और जवाबदेही तय हो। योजनाएं जिला और पंचायत स्तर तक उतरें, क्योंकि असर स्थानीय है तो इलाज भी स्थानीय होगा। हर साल प्रगति की सार्वजनिक रिपोर्ट आए और हर नई परियोजना को मंजूरी देने से पहले राज्य की जलवायु योजना की कसौटी पर परखा जाए। दिल्ली में योजना बनने में आठ साल लगे और अमल का इंतजार अब भी जारी है। जलवायु परिवर्तन का कैलेंडर सरकारी फाइलों के कैलेंडर से तेज चलता है। जब तक एक्शन प्लान फाइलों से निकलकर बजट, विभागों के फैसलों और गांव-शहर की जमीन तक नहीं पहुंचेगा, हम योजनाएं बनाते रहेंगे और आपदाएं गिनते रहेंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन

महेन्द्र तिवारी



मृत अर्थव्यवस्था से लेकर विकास के प्रतिमान तक

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक अर्थशास्त्र में वक्तव्यों की दिशा कब बदल जाए, इसका अनुमान लगाना सदैव कठिन होता है। 20 नवंबर 2026 को अपने चार दिवसीय एशिया दौरे से लौटकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति भवन में पत्रकारों से संवाद किया, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की उनकी प्रशंसा ने विश्व भर के विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने भारत की 7 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर और कम ब्याज दरों का उदाहरण देकर अपने केंद्रीय बैंक की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। यह मोड़ इसलिए भी चर्चित है क्योंकि मात्र 16 महीने पहले, जुलाई 2025 में, उन्होंने भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को मृत अर्थव्यवस्था कहकर खारिज किया था। संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने कहा कि यदि भारत को देखा जाए, तो वहां ब्याज दरें कम हैं और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7 प्रतिशत है। उन्होंने दावा किया कि यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें घटाई जाएं, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था 4 प्रतिशत के स्थान पर 14, 15 या 20 प्रतिशत की गति से बढ़ सकती है। उनके अनुसार ऐसी तीव्र वृद्धि से अमेरिका अपना विशाल राष्ट्रीय ऋण शीघ्रता से चुका सकेगा। उन्होंने यह तर्क भी दिया कि ब्याज दर में प्रत्येक एक प्रतिशत की बढ़ोतरी अमेरिकी खजाने पर लगभग 650 अरब डॉलर का अतिरिक्त वित्तीय भार डालती है।

इस वक्तव्य का सूक्ष्म विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि ट्रंप की यह प्रशंसा भारत के प्रति अचानक जागे अनुराग से अधिक अपने केंद्रीय बैंक पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति थी। उन्होंने अमेरिकी केंद्रीय बैंक को अत्यधिक राजनीति से प्रेरित संस्था बताया। उनका आरोप है कि जब भी अमेरिका के आर्थिक आंकड़े मजबूत आते हैं, केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ा देता है, जबकि बेहतर साख की स्थिति में दरें घटानी चाहिए। यद्यपि उन्होंने वर्तमान अध्यक्ष केविन वॉर्श को व्यक्तिगत रूप से दोषी नहीं ठहराया, किंतु पूरी संस्थागत प्रणाली पर प्रश्न उठाते हुए पूर्व अध्यक्ष एलन ग्रीनस्पैन की नीतियों को सराहा। राजनीतिक मंचों से दिए गए कथन प्रायः जटिल आर्थिक यथार्थ को अत्यंत सरल बनाकर प्रस्तुत करते हैं, और ट्रंप के इस दावे में भी एक स्पष्ट विरोधाभास है। उन्होंने भारत की ब्याज दरों को कम बताया, किंतु नवंबर 2026 के वास्तविक आंकड़े इसके विपरीत स्थिति दर्शाते हैं। संख्यात्मक दृष्टि से भारत की प्रमुख नीतिगत ब्याज दर अमेरिका से अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 अक्टूबर 2026 को लगभग चार वर्षों बाद नीतिगत ब्याज दर में चौथाई प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 5.50 प्रतिशत किया था। वहीं अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने 16 सितंबर 2026 को दरें बढ़ाकर 3.75 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के दायरे में रखा, जिसकी प्रभावी दर 3.88 प्रतिशत है। यह तथ्य स्पष्ट करता है कि भारत में ऋण अमेरिका की तुलना में सस्ता नहीं है, फिर भी भारत की विकास गति कहीं अधिक तेज बनी हुई है। यहां यह समझना आवश्यक है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक राजनीतिक आग्रहों के बावजूद ब्याज दरें घटाने से क्यों बच रहा है। किसी भी सुदृढ़ राष्ट्र में केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता आर्थिक स्थिरता की आधारशिला होती है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के निर्णय दोहरे उत्तरदायित्व पर आधारित होते हैं, जिनमें मूल्य स्थिरता बनाए रखना और अधिकतम रोजगार सुनिश्चित करना शामिल है। सितंबर 2026 के आंकड़ों में अमेरिका की वार्षिक मुद्रास्फीति 3.6 प्रतिशत रही, जो केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी ऊपर है। ऐसी दशा में दरें घटाने पर बाजार में अतिरिक्त मुद्रा प्रवाह से महंगाई और विकराल हो सकती है। यही मौद्रिक अनुशासन भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली में भी दिखता है। खाद्य मूल्यों की संवेदनशीलता और वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने सस्ती मुद्रा के आकर्षण के बजाय मूल्य नियंत्रण को वरीयता दी। इससे सिद्ध होता है कि भारत की 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक रफ्तार केवल सस्ते ऋण का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सशक्त घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचे में निरंतर सार्वजनिक निवेश, वित्तीय समावेशन और सुव्यवस्थित आर्थिक प्रबंधन की देन है।

अंततः भारत के नीति निर्माताओं और नागरिकों के लिए यह क्षण न तो विदेशी प्रशंसा से आत्ममुग्ध होने का है और न ही अतीत की टिप्पणियों से विचलित होने का। वास्तविक लक्ष्य इस 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि को दीर्घकाल तक टिकाऊ और सर्वसमावेशी बनाए रखना है। यदि भारत अपने आंतरिक आर्थिक सुधारों को इसी अनुशासन के साथ आगे बढ़ाता रहा, तो वह भविष्य में भी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच स्थिरता और समृद्धि का विश्वसनीय केंद्र बना रहेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

रिलेशनशिप इन बातों से हो सकती है स्ट्रांग



किसी संबंध का आरंभ आकर्षण से होता है। यदि आप आसानी से उसे प्राप्त कर लेते हैं, तो आकर्षण समाप्त हो जाता है। किंतु यदि प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होती है तो उसके प्रति प्रेम का जन्म होता है। जब आप प्रेम का अनुभव करते हैं तो कुछ समय के पश्चात मांग उठती है। जब आप मांगना शुरू करते हैं, तो प्रेम घट जाता है। मांग प्रेम को नष्ट कर देती है। आनंद

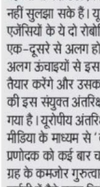

दूर हो जाता है, तो आप कहते हैं, 'ओह, मैंने यह संबंध बनाकर भूल की है।' फिर उससे बाहर निकलने के लिए संघर्ष और पीड़ा से गुजरना पड़ता है। इससे बाहर निकलने के बाद आप एक अन्य संबंध बनाते हैं, और वही कहानी दोहराई जाती है। किसी भी संबंध को बनाए रखने में तीन बातें आवश्यक हैं : समुचित धारणा, समुचित अवलोकन और समुचित अभिव्यक्ति। अक्सर लोग कहते हैं कि कोई भी उन्हें नहीं समझता है। कोई भी मुझे नहीं समझता है, ऐसा कहने के बजाय आप कह सकते हैं कि मैं स्वयं को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाता हूं। यदि आप एक स्पेनिश व्यक्ति से रूसी भाषा बोलते हैं, तो वह निश्चित रूप से नहीं समझेगा। सही धारणा तब हो सकती है, जब आप स्वयं को दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण से देखते हैं। सही धारणा, फिर सही अवलोकन। आपकी धारणा समुचित हो सकती है, लेकिन आप प्रतिक्रिया किस प्रकार देते हैं? आप अपने भीतर कैसा अनुभव करते हैं? अपने स्वयं के मन का निरीक्षण करना दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। आपके भीतर संवेदना तथा प्रवृत्तियों के अवलोकन के साथ संस्कारों का अवलोकन भी आवश्यक है।

अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र

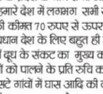

एक साधु व एक डाकू एक ही दिन मरकर यमलोक पहुंचे धर्मराज उनके कर्मों का लेखा-जोखा खोलकर बैठे थे और उसके हिसाब से उनकी गति का हिसाब करने लगे। धर्मराज ने दोनों को बोलने का अवसर दिया और दोनों की बात सुनी फिर डाकू से कहा- तुम्हें दंड दिया जाता है कि तुम आज से इस साधु की सेवा करो

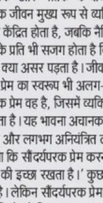

डाकू ने सिर झुकाकर आज्ञा स्वीकार कर ली। यमराज को यह आज्ञा सुनकर साधु ने आपत्ति जताते हुए कहा- महाराज! इस पापी के स्पर्श से मैं अपवित्र हो जाऊंगा मेरी तपस्या तथा भक्ति का पुण्य निरर्थक हो जाएगा मेरे पुण्य कर्मों का उचित सम्मान नहीं हो रहा है। धर्मराज को साधु की बात पर बड़ा क्षोभ हुआ वह क्षुब्ध होकर बोले- निरपराध व्यक्तियों को लूटने और हत्या करने वाला डाकू मर कर इतना विनम्र हो गया कि तुम्हारी सेवा करने को तैयार है। तुम वर्षों के तप के बाद भी अहंकार ग्रस्त ही रहे यह नहीं जान सके कि सब में एक ही आत्मतत्व समाया हुआ है तुम्हारी तपस्या अधूरी और निष्फल रही अतः आज से तुम इस डाकू की सेवा करो, और तप को पूर्ण करो। उसी तपस्या में फल है, जो अहंकार रहित होकर की जाए अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है और यही भविष्य में ईश्वर प्राप्ति का आधार बनता है झूठे दिखावे तप नहीं हैं, ऐसे लोगों की गति वही होगी जो साधु की हुई।

संकलित

दर्शन

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

पशुधन में रुचि घटने के कारण दूध के दाम ऊंचाई पर

हाल ही में देश की दूध बेचने वाली कंपनियों ने दूध के मूल्य में वृद्धि कर दी। इन कंपनियों को दूध की कीमत में इजाफिर वृद्धि करनी पड़ी होगी क्योंकि इन्हें हम तक दूध पहुंचाने में खर्च करना पड़ता है। हमारा देश दूध प्रधान देश भी माना जाता है। देश के कुछ राज्यों- जैसे पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश को तो दूध की नदियों के प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन अब हमारे देश में लगभग सभी राज्यों में एक लीटर दूध की कीमत 70 रुपए से ऊपर जा चुकी है, जो कि दूध प्रधान देश के लिए बहुत ही हैरानी की बात है। देश में दूध के संकट का मुख्य कारण लोगों की पशुओं को पालने के प्रति रुचि कम होना है। लोहरों के खत्म उठे गांवों में घास आदि की कमी भी हो गई है जिससे पशुपालन घटा है। - सुरेश यादव, रेवाड़ी

ट्रेंड

'वाइब्रेंट विलेजेस' कार्यक्रम

जो लोग बेहतर अवसरों की तलाश में सीमावर्ती गांवों से चले गए थे, वे अब वापस लौट आए हैं। ऐसा मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए 'वाइब्रेंट विलेजेस' कार्यक्रम के तहत दी जा रही सुविधाओं की वजह से हुआ है। - अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

बाडकुटे को नमन

वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद डॉ. रामदासजी रूक्षाराम बाडकुटे के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें और उनके शोकाकुल परिवार को सबल दे। - रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

संकीर्ण मानसिकता

लोग अब समझने लगे हैं कि 'लोहारिंग बांटने वालों की प्रतिक्रियाएं, पेड़ानिक, सनातनक लोग, तथा 'डंडे बांटने वालों की चिड़ड़ी, रूढ़िवादी, प्रतिक्रियावादी और संकीर्ण मानसिकता के बीच क्या अंतर है, और इसके क्या फायदे या नुकसान है। - अखिलेश यादव, सांसद, सपा

परिवर्तनकारी दृष्टिकोण

'विकसित भारत बिल्डिंग 2025' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रमाण है, जो शिक्षा के केंद्र में अनुभवात्मक शिक्षण, रचनात्मकता और नवाचार को रखता है। यह सेवानत प्रतिबद्धता ही 'विकसित भारत' की नींव तैयार करेगी। - धर्मेंद्र प्रधान, सांसद, बीजेपी

करंट अफेयर

कई साल बाद बुध ग्रह पर पहुंचा पहला अंतरिक्ष यान

अंतरिक्ष सौर मंडल में आठ साल की लंबी यात्रा के बाद दो अंतरिक्ष यान सूर्य के सबसे करीब स्थित बुध ग्रह की कक्षा में पहुंच गए हैं और अब ये दोनों यान अलग-अलग कक्षाओं से इस सबसे छोटे ग्रह के उन रहस्यों से पर्दा उठाएंगे जिनकी गुत्थी वैज्ञानिक अब तक नहीं सुलझा सके हैं। यूरोपीय और जापानी अंतरिक्ष एजेंसियों के ये दो रोबोटिक खोजी यान अगले महीने एक-दूसरे से अलग हो जाएंगे। इसके बाद वे अलग-अलग ऊंचाइयों से इस तपते हुए छोटे ग्रह का मानचित्र तैयार करेंगे और उसका अध्ययन करेंगे। दो अरब डॉलर की इस संयुक्त अंतरिक्ष यात्रा को 'बेपीकोलंबो' नाम दिया गया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से 'बेपीकोलंबो' के बुध ग्रह पर पहुंचने की घोषणा की। प्रणोदक को कई बार चालू करके अंतरिक्ष यान की गति इतनी कम की गई कि ग्रह के कमजोर गुरुत्वाकर्षण ने उसे अपनी कक्षा में खींच लिया। हालांकि, जर्मनी में बैठे उड़ान नियंत्रकों को यह पुष्टि करने में कई घंटे लग गए कि बेपीकोलंबो बुध की कक्षा में पहुंच चुका है। ये ग्रह से 9.4 करोड़ मील दूर थे। बेपीकोलंबो बुध ग्रह पर पहुंचने वाले तीसरे अंतरिक्ष यान हैं। बुध सूर्य के सबसे नजदीक स्थित ग्रह है और आकार में हमारे चंद्रमा से थोड़ा ही बड़ा है।

ऑफ बीट

अस्तित्ववाद के जनक कीर्केगार्द के विचार आज भी प्रासंगिक

वर्ष 1843 में डेनमार्क के युवा कीर्केगार्द ने अपनी पहली दार्शनिक पुस्तक 'आइदर/और' प्रकाशित की। यह उनकी सबसे महत्वपूर्ण रचनाओं में से एक है। इस पुस्तक में उन्होंने जीवन जीने के दो तरीकों- 'सौंदर्यपरक' और 'नैतिक' के बीच अंतर बताया है। सौंदर्यपरक जीवन मुख्य रूप से व्यक्तिगत सुख और आनंद पर केंद्रित होता है, जबकि नैतिक जीवन में व्यक्ति इस बात के प्रति भी सजग होता है कि उसके कार्यों का दूसरों पर क्या असर पड़ता है। जीवन जीने के इन दोनों तरीकों में प्रेम का स्वरूप भी अलग-अलग होता है। सौंदर्यपरक प्रेम वह है, जिसमें व्यक्ति किसी के प्रेम में 'पड़' जाता है। यह भावना अचानक उस पर हावी हो जाती है। यह एक शक्तिशाली और लगभग अनियंत्रित लगने वाला आकर्षण होता है। कीर्केगार्द ने लिखा था कि सौंदर्यपरक प्रेम करने वाला व्यक्ति 'किसी एक व्यक्ति को पूरी तरह पाने की इच्छा रखता है।' कुछ स्थायी प्रेम संबंधों की शुरुआत भी इसी तरह होती है। लेकिन सौंदर्यपरक प्रेम में वह भरोसा और सम्मान नहीं होता, जो किसी रिश्ते को स्थिरता प्रदान करता है। इसमें सही और गलत, अच्छा और बुरा तय करने का आधार सिद्धांत नहीं, बल्कि व्यक्ति की भावनाएं और इच्छाएं होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती, केंद्र सरकार से चुनाव आयोग तक से किए जवाब-तलब



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दल-बदल, नेताओं के राजनीतिक बयानों, दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण और बंगाल एसआईआर मामले में अहम निर्देश दिए। दल-बदल पर इस्तीफे से अयोग्यता न टालने, नेताओं के बयानों पर न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा स्पष्ट करने, प्रदूषण पर पांच साल का प्लान बनाने और हटाए गए मतदाताओं की अपीलों पर प्राथमिकता से सुनवाई के निर्देश दिए।

केंद्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

इस्तीफा देकर दल-बदल की कार्रवाई से नहीं बच सकेंगे विधायक-सांसद

दल-बदल विरोधी कानून में बदलाव की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, लॉ कमीशन और कानून व संसदीय कार्य मंत्रालय से जवाब मांगा है। याचिका में मांग की गई है कि विधायक और सांसद अयोग्यता की कार्रवाई से बचने के लिए इस्तीफा न दे सकें। याचिकाकर्ता का कहना है कि कई बार नेता स्पीकर के अयोग्यता पर फैसला सुनाने से पहले ही पद छोड़ देते हैं, जिससे चुनी हुई सरकारों का बहुमत खतरे में पड़ जाता है और सरकार गिरने की स्थिति बन सकती है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले में नोटिस जारी किया।

- अयोग्यता और इस्तीफे पर समयबद्ध फैसले की मांग

राजनीति रोकना हमारा काम नहीं

एजेंडा उठाने से हम नहीं रोक सकते हैं मामला सीजेआई की बेंच को ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजनीतिक नेताओं के बयानों से न्याय व्यवस्था में बाधा पड़ने का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की- राजनीतिक दलों को अपना एजेंडा उठाने से कैसे रोक सकते हैं? जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने मामले को उस बेंच के सामने रखने को कहा, जो सीजेआई सूर्यकांत के खिलाफ वकील की आपत्तिजनक टिप्पणी पर अवमानना मामले की सुनवाई कर रही है। यह याचिका दो वकीलों अदिति यादव और विकास तिवारी ने दाखिल की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ नेताओं, सांसदों और अन्य लोगों के बयानों से गरिमा प्रभावित हुई है।

- आपत्तिजनक टिप्पणी पर अवमानना मामले की सुनवाई

कमर्शियल वाहन को बॉर्डर पर रोकें

दिल्ली अकेली प्रदूषण की जिम्मेदार नहीं सरकार 5 साल का प्लान बनाकर दे

दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान होने वाले प्रदूषण संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने दिल्ली में केवल बीएस-6 वाहनों के संचालन का सुझाव देते हुए प्रदूषण नियंत्रण के लिए पांच साल का दीर्घकालिक प्लान मांगा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ वायु प्रदूषण के मामले की सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले व्यावसायिक वाहनों की एंट्री रोकने की योजना बनाई जाए, लेकिन जरूरी सामानों की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बैटरी या अन्य प्रदूषण रहित वाहनों का सुझाव दिया।

- दिल्ली में केवल बीएस-6 वाहनों के संचालन का सुझाव दिया

एसआईआर पर सख्त रुख अपनाया

वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों पर पहले करें सुनवाई, ट्रिब्यूनल बढ़ाएं

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों के खिलाफ दाखिल अपीलों पर पहले सुनवाई की जाए, जबकि नए नाम जोड़ने के विरोध में दायर अपीलों को फिलहाल प्राथमिकता न दी जाए। कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के उन मतदाताओं की अपीलों पर विशेष प्राथमिकता देने को कहा गया है, जिनके नाम सूची से हटाए गए हैं, क्योंकि वहां जल्द चुनाव होने हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर अपीलीय ट्रिब्यूनल की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया।

- ट्रिब्यूनल के लिए जगह तलाशने को कहा

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिकगण श्रीमति रश्मि अग्रवाला पत्नी श्री शिव अग्रवाल एवं अन्य 01, निवासी महामाया रोड अम्बिकापुर थाना व तह० अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नवागढ, तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 120/8 रकबा 0.016 हे० भूमि को अनावेदक नावेद अली आ० नौशाद आलम निवासी सदर रोड गद्दीपारा अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्री करनें की अनुमती हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है, उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 03/12/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-16/12/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-03

भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने किया पलटवार

एशिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बना भारत

भारत विरोधी ताकतों के हाथों खेल रहे राहुल देश की छवि खराब करने में जुटे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था और देश की छवि को लेकर दिए जा रहे बयानों पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेशों में भारत की आर्थिक स्थिति को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं और भारत विरोधी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को देश के बारे में विदेश में टिप्पणी करने से पहले तथ्यों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों का अध्ययन करना चाहिए। दिल्ली में सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रविशंकर प्रसाद ने ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट की एशिया पावर इंडेक्स 2026 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत एशिया की तीसरी प्रमुख शक्ति के रूप में अपनी स्थिति बनाए हुए है। उन्होंने राहुल गांधी के भारत में आर्थिक संकट होने संबंधी बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट देश की बढ़ती ताकत और क्षमता को सामने रखती हैं, लेकिन कांग्रेस नेता इन तथ्यों को नजरअंदाज कर रहे हैं। रविशंकर प्रसाद के मुताबिक, लोवी इंस्टीट्यूट की एशिया पावर इंडेक्स 2026 रिपोर्ट में 27 देशों और क्षेत्रों का 131 संकेतकों के आधार पर आकलन किया गया है। इस रिपोर्ट में भारत को 40.5 अंक मिले हैं और वह एशिया की तीसरी प्रमुख शक्ति है। भारत का कुल स्कोर पिछले साल के मुकाबले 0.5 अंक बढ़ा है। भविष्य के संसाधनों की श्रेणी में भारत को 56.2 अंक मिले हैं और वह इस मामले में भी एशिया में तीसरे स्थान पर है। प्रसाद ने इन आंकड़ों को भारत की आर्थिक और सामरिक क्षमता का प्रमाण बताते हुए राहुल गांधी के बयानों पर सवाल उठाए।

> लोवी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट का हवाला देकर रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता के आर्थिक संकट वाले बयान पर किया पलटवार, विदेश में भारत के बारे में बोलने से पहले तथ्यों का अध्ययन करने की दी सलाह

भारत का कुल स्कोर पिछले साल के मुकाबले 0.5 अंक बढ़ा



राहुल गांधी



रविशंकर

अर्थव्यवस्था पर राहुल के बयान से मची भगदड़

राहुल गांधी ने 18 नवंबर को अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि भारत बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। साथ ही बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियों का भी उल्लेख किया था। इसी बयान पर पलटवार करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को संसद में भी कई बार तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जा चुका है, लेकिन वह न तो खुद रिपोर्ट पढ़ते हैं और न ही उनके आसपास के

अनुराग ठाकुर ने भी साधा निशाना



पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल शायद ऐसे पहले नेता हैं, जो विदेश जाकर अपने ही देश को बदनाम करते हैं। ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के नेता को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की उपलब्धियां बहुत हैं।

प्रदीप भंडारी ने लगाए गंभीर आरोप

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी पर भारत विरोधी प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत की प्रगति और लोकतंत्र के प्रति राहुल गांधी की नकारात्मक सोच उनके विदेश में दिए बयानों में दिखाई देती है।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी को भी बताया अनुचित

रविशंकर प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति जिस तरह की भाषा और टिप्पणियां की जा रही हैं, वह उचित नहीं है।

गौरव भाटिया ने बताया एंटी-इंडिया प्रोपेगेंडा



भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी के बयान को निराधार बताते हुए उन पर विदेश में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश दौरे पर जाकर बार-बार गलत बयान देते हैं और उनका उद्देश्य भारत की प्रगति तथा अंतरराष्ट्रीय छवि को कमजोर करना है। भाटिया ने राहुल को गैर-जिम्मेदार नेता बताते हुए कहा कि उनके बयानों से देश के नागरिकों को शर्मिंदगी महसूस होती है।

गोधरा के दोषी की सजा निलंबित

17 साल से जेल में बंद दोषी को मेडिकल आधार पर जमानत दी

अब तक 31 में 11 को मिली राहत

31 पाए गए दोषी
11 फांसी की सजा
20 उम्र कैद



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गोधरा ट्रेन अग्निकांड के दोषी इरफान सिराज पाड़ा की सजा निलंबित कर दी। कोर्ट ने उसे मेडिकल आधार पर जमानत दी है। गुजरात सरकार ने उसकी मेडिकल स्थिति पर आपत्ति नहीं जताई।इरफान को 2025 में भी समय से पहले रिहाई की मांग पर राज्य सरकार से विचार कराने के लिए अंतरिम पैरोल मिली थी। इस मामले में कुल 31 लोग दोषी ठहराए गए थे। इनमें से अब तक 11 को जमानत मिल चुकी है। 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने से 58 लोगों की मौत हो गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे कारसेवक सवार थे। इस घटना के बाद गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे। मार्च 2011 में ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में 31 लोगों को दोषी ठहराया था। इनमें 11 को फांसी और बाकी 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। 63 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया था। 2017 में गुजरात हाईकोर्ट ने 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। बाकी 20 दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। दोषियों की अपील 2018 से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। 13 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने दोषी अब्दुल रहमान धंतिया उर्फ कंकड़ी उर्फ जंबूरो को छह महीने की अंतरिम जमानत दी थी। उसकी पत्नी को अंतिम चरण का कैंसर था और उसकी बेटियां मानसिक रूप से दिव्यांग थीं। 11 नवंबर 2022 को कोर्ट ने उसकी जमानत 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दी थी। दिसंबर 2022 में एक अन्य दोषी फारूक को जमानत दी गई।

27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने से 58 लोगों की मौत हो गई थी

गोधरा कांड में 1 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

गोधरा कांड के बाद भड़के दंगों में 1044 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 790 मुसलमान और 254 हिंदू थे। गोधरा कांड के एक दिन बाद 28 फरवरी को अहमदाबाद की गुलबर्ग हाउसिंग सोसाइटी में बेकाबू भीड़ ने 69 लोगों की हत्या कर दी थी। इन दंगों से राज्य में हालात इस कदर बिगड़ गए कि स्थिति काबू में करने के लिए तीसरे दिन सेना उतारनी पड़ी।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं असराम पैकरा (माता/पिता/पालक का नाम)
सुपुत्र/सुपुत्री गांव /शहर लिलोटी तहसील डौरा कोचली जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम कु आंचल (पुराना नाम) से बदलकर आँचल पैकरा (नया नाम) रख लिया है।

असराम पैकरा
माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के मगरायर निवासी अजय कुमार अवस्थी पुत्र स्व. जगदीश अवस्थी को पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी मिली धमकी को लेकर थाने में तहरीर दिया कि गांव का ही सोहन कुरील पुत्र गंगा प्रसाद प्रार्थी के भतीजे दीपक पुत्र संजय कुमार को घर के बगल स्थित बाग से पकड़कर अपने घर ले गया तथा गाली-गलौज व धमकी दी पीड़ित ने तत्काल यूपी-112 पर कॉल कर सूचना दी

यूपी में सीट बंटवारे पर मंथन

15 मिनट में खत्म हुई सपा-कांग्रेस की बैठक, आज फिर होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत तेज हो गई है। सोमवार को कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर दोनों दलों के नेताओं की बैठक हुई, लेकिन करीब 15 मिनट में खत्म हुई चर्चा में सीट शेयरिंग पर सहमति नहीं बन सकी। दोनों दलों ने संभावित उम्मीदवारों और सीटों को लेकर अपनी-अपनी सूची साझा की है। अब मंगलवार को फिर बैठक होने की संभावना है, जिसमें सीट बंटवारे के नए फॉर्मूले पर चर्चा होगी। बैठक के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना से सीट बंटवारे पर सहमति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कल यानी मंगलवार का इंतजार कीजिए। उनके बयान से साफ है कि गठबंधन में बातचीत जारी है और सीटों को लेकर अभी कोई अंतिम फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। दोनों दलों के बीच अगले दौर की वार्ता पर नजरें टिकी हैं।

संरक्षण पुरस्कारों की समीक्षा

समुद्री वन्यजीव संरक्षण पर जोर 133 विकास प्रस्तावों पर विचार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 92वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में समुद्री वन्यजीव संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान समुद्री जैव विविधता से संबंधित कई रिपोर्ट और प्रकाशन जारी किए गए। वहीं देशभर से आए 133 विकास प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। बैठक में वन्यजीव सप्ताह 2026 की रिपोर्ट की समीक्षा की गई। इस वर्ष वन्यजीव सप्ताह आवासों को जोड़ना, वन्यजीवों को समृद्ध बनाना थीम पर आयोजित किया गया था। मंत्री ने संरक्षण के लिए शुरू की गई प्रमुख पहलों का उल्लेख करते हुए बक्सा में बाघों के पुनर्वास, राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को गंगल में छोड़ने और प्रोजेक्ट चीता के तीसरे स्थल तक विस्तार को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया। ये पहल वन्यजीव संरक्षण में वैज्ञानिक दृष्टि हैं।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का कांग्रेस पर हमला

मोदी कहीं नहीं जाने वाले, वे 2029 में लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे, राहुल सपने देखें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने तेलंगाना के करीमनगर में आयोजित रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं। वह 2029 में फिर लाल किले की प्राचीर पर नजर आएंगे। राहुल गांधी सपने देखते रहिए। उन्होंने दावा किया कि देश के युवा, किसान, महिलाएं, मजदूर और समाज के सभी वर्ग प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं।

नितिन नवीन ने सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित रैली में कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि जनता और वोट भाजपा के साथ हैं।

करीमनगर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली में जाजपा अध्यक्ष ने साधा निशाना

राहुल गांधी का दावा है कि 13 करोड़ लोगों के वोट चोरी हुए हैं, जबकि मतदाता सूची में ऐसे लोगों को शामिल करने की मांग की जा रही है, जिनके ठिकानों का सत्यापन नहीं हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि लाखों लोग स्थान बदल चुके हैं, ऐसे में उन्हें दो जगह मतदान की अनुमति कैसे दी जा सकती है।

2011-23 में 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर

वित्तमंत्री निर्मला ने बताया गरीबी का मतलब बोलीं-सिर्फ कमाई नहीं होता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

खामियों को दूर करके मिली कामयाबी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि गरीबी को सिर्फ मजदूरी या आमदनी से नहीं मापा जा सकता। सुरक्षित घर, साफ पानी, स्वच्छता और इलाज के बिना परिवार आर्थिक संकट में रहता है। उन्होंने लिंक्डइन पोस्ट में वर्ल्ड बैंक की भारत पर ताजा गरीबी और समानता रिपोर्ट का हवाला दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए और अत्यधिक गरीबी लगभग खत्म हो गई। वित्त मंत्री ने कहा, गरीबी सिर्फ आमदनी या मजदूरी की कमी नहीं है। सुरक्षित छत, साफ पानी, स्वच्छता या इलाज के बिना कोई परिवार कमजोर बना रहता है। उन्होंने कहा कि आमदनी बढ़ने के बाद भी ऐसे परिवार संकट में रह सकते हैं। एक बीमारी उनकी पूरी बचत खत्म कर सकती है और उन्हें दोबारा गरीबी में पहुंचा सकती है। सीतारमण के मुताबिक, आजादी के बाद छह दशकों से ज्यादा समय तक बड़े पैमाने पर गरीबी खत्म करना अधूरा वादा बना रहा। शुरुआती 2010 के दशक में भी विदेशों में भारत को लंबे समय से चली आ रही गरीबी से जूझते देश के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि उस समय भारत स्वच्छता, पोषण, साफ खाना पकाने के ईंधन और बैंकिंग के मामले में पीछे था। उस दौर में यह माना जाता था।

604 किमी के रास्ते में बदलती भाषा, संस्कृति का भी मिलेगा अनुभव

राम की नगरी से माता सीता के मायके तक सीधे रेल सफर

7 कोच वाली ट्रेन, दो देश और रामायण से जुड़े दो धाम... 19 घंटे में अयोध्या से जनकपुर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या से जनकपुर अब सिर्फ रामायण की कथा में ही नहीं, रेल की पटरी पर भी जुड़ गए हैं। भगवान राम की नगरी से माता सीता के मायके तक शुरू हुई स र यू - क म ला एक्सप्रेस यात्रियों को दो देशों, दो संस्कृतियों और रामायण से जुड़े दो प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा एक ही ट्रेन में कराएगी। करीब 604 किमी का यह सफर लगभग 19 घंटे में पूरा होगा। ट्रेन का उद्घाटन 23 नवंबर को हुआ है, जबकि नियमित सेवा 28 नवंबर से शुरू होगी।

- सरयू-कमला एक्सप्रेस जोड़ेगी भारत-नेपाल के धार्मिक रिश्ते

ट्रेन का भारतीय समय

अयोध्या कैंट से प्रस्थान (सोमवार)	शाम 5:50 बजे
पहुंचने का समय (मंगलवार)	दोपहर 12:25 बजे
जनकपुर से प्रस्थान (शनिवार)	दोपहर 12:55 बजे
अयोध्या कैंट पहुंचने का समय (रविवार)	सुबह 8:10 बजे

इन स्टेशनों पर रुकेगी ट्रेन

1. अयोध्या धाम
2. मनकापुर
3. बस्ती
4. गोरखपुर
5. नरकटियागंज
6. रक्सौल
7. सीतामढ़ी
8. सीरौल
9. मधुबनी
10. जयनगर
11. जनकपुर धाम

धार्मिक यात्रा के साथ रिश्तों की रेल

सरयू-कमला एक्सप्रेस केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाली ट्रेन नहीं, बल्कि भारत और नेपाल के सांस्कृतिक तथा धार्मिक रिश्तों को मजबूत करने वाली कड़ी भी है। दोनों देशों के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और परिवारों के लिए यह सीधा रेल संपर्क सुविधाजनक विकल्प बन सकता है।

राम की नगरी से सीता के मायके तक

सीता की जन्मस्थली और राजा जनक की नगरी के रूप में धार्मिक मान्यता रखता है। दोनों स्थान रामायण परंपरा में बेहद महत्वपूर्ण हैं। अयोध्या से जनकपुर पहुंचने वाले श्रद्धालु राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन के बाद जानकी मंदिर में दर्शन कर सकेंगे।

रास्ते में दिखेगा भारत-नेपाल का साझा संसार

ट्रेन अयोध्या, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, मधुबनी और जयनगर जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इस मार्ग पर यात्रियों को गंगा के मैदानी इलाके, बिहार के मिथिला क्षेत्र और नेपाल के तराई भूभाग की झलक मिलेगी।

छत्तीसगढ़ अब बिजनेस के लिए सबसे सुगम राज्य, सीएम बोले - हर चरण में मिलेगा सहयोग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग के तीसरे अध्याय में 1.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। कुल 21 परियोजनाओं में निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई, जिससे लगभग 29 हजार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से आयोजित संवाद में देशभर से करीब 150 उद्योगपतियों ने भाग लिया।

21 परियोजनाओं में निवेश की प्रतिबद्धता

आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि 1.06 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव हैं। नई औद्योगिक नीति, ऊर्जा, परिवहन और तैयार संसाधनों को निवेश का आधार बताया गया।

फार्मा, वस्त्र और हॉस्पिटैलिटी में निवेशकों की विशेष रुचि

21 में से 12 परियोजनाएं इन उभरते क्षेत्रों से हैं, जो कुल का 57% हैं। इनमें 10,730 करोड़ रुपये के निवेश और करीब 8 हजार रोजगार की संभावना है।

रोजगार सृजन में उभरते क्षेत्रों की बड़ी भूमिका

इन क्षेत्रों में प्रति एक करोड़ रुपये निवेश पर अन्य क्षेत्रों की तुलना में तीन गुना से अधिक रोजगार मिलने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत के भरोसे को बताया महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ व्यवसाय के लिए सबसे सुगम राज्यों में बन रहा है। सरकार स्वीकृति से उत्पादन तक हर चरण में त्वरित कार्रवाई, पारदर्शिता और सहयोग सुनिश्चित करेगी।



देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों ने दिखाई दिलचस्पी

केएलजे ग्रुप, आरडीबी ग्रुप, लिबर्टी शूज, प्रासिल इंडस्ट्रीज और ऑगमेंट न्यूट्रिएंट्स सहित कई समूहों ने भाग लिया और सीधा संवाद किया।

औद्योगिक विकास नीति 2024-30 बनी निवेश आकर्षण का प्रमुख आधार

नीति में स्पष्ट नियम, स्थिर प्रोत्साहन और रोजगारपरक क्षेत्रों को बढ़ावा देने पर जोर है।

तैयार औद्योगिक भूमि, बिजली और कनेक्टिविटी पर विशेष जोर

तैयार भूमि, बिजली, जलापूर्ति और सड़क-रेल-हवाई संपर्क को परियोजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने का आधार बताया गया।

आकांक्षी क्षेत्रों तक निवेश पहुंचाने की रणनीति

नीति में आकांक्षी क्षेत्रों में उद्योग लगाने वालों के लिए अतिरिक्त सहायता है, ताकि लाभ रायपुर तक सीमित न रहे। उद्योग सचिव रजत कुमार ने निवेशकों के भरोसे को बताया सकारात्मक संकेत : उन्होंने कहा, बढ़ता विश्वास त्वरित कार्रवाई और विश्वसनीय प्रशासन का संकेत है। खनिज और इस्पात के साथ नए उद्योगों की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़, खनिज-इस्पात की मजबूत नींव पर अब फार्मा, वस्त्र, हॉस्पिटैलिटी को बढ़ावा दिया जा रहा है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारना होगा अगला चरण, स्वीकृति, भूमि, निर्माण और उत्पादन शुरू होना महत्वपूर्ण होगा। सरकार ने सहयोग की प्रतिबद्धता जताई है।

सीएम ने किया संकल्प अभियान का शुभारंभ, नशे के खिलाफ 3 स्तरों पर चलेगी मुहिम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग में नवीन रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के भवन और रुआबांधा पुलिस चौकी का लोकार्पण किया। उन्होंने दुर्ग पुलिस के संकल्प अभियान-नशा मुक्ति का पोस्टर विमोचन कर शुभारंभ भी किया। करीब 35 लाख रुपये की लागत से महिला थाना सेक्टर-6, भिलाई के समीप बने नए भवन से साइबर अपराधों की जांच को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने भवन का निरीक्षण किया, विजिटर बुक में संदेश लिखा और रोजनामचा में प्रविष्टि की।



तीन जिलों के साइबर अपराधों की होगी जांच

नए थाने का क्षेत्राधिकार दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले तक रहेगा। यहां ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया अपराधों की शिकायतों पर कार्रवाई, जटिल अपराधों की विवेचना और डिजिटल साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण होगा। पीड़ितों को त्वरित सहायता और नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

तीन स्तरों पर चलेगा संकल्प अभियान-नशा मुक्ति

पहले चरण में गांवों, वार्डों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों तक जागरूकता, दूसरे चरण में अवैध कारोबारियों पर वैधानिक कार्रवाई और तीसरे चरण में नशा पीड़ितों को उपचार व पुनर्वास से जोड़ा जाएगा। इसमें प्रशासन, शिक्षा-स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों की सहभागिता होगी।

साइबर अपराध और नशे की सूचना के लिए हेल्पलाइन जारी

मानस हेल्पलाइन - 1933, एएनटीएफ दुर्ग हेल्पलाइन - 94791-5151 जारी की गई। पुलिस ने अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी-बैंक जानकारी साझा न करने और ठगी होने पर तत्काल 1930 पर संपर्क करने की अपील की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, रिकेश सेन, कमिश्नर सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य सहित वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महर्षि कश्यप की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए बनेगी प्रेरणा का केंद्र : उपमुख्यमंत्री शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कवर्धा के हटरी पारा में 9 लाख 75 हजार रुपये की लागत से निर्मित महर्षि कश्यप चौक एवं महर्षि कश्यप की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर महर्षि कश्यप का स्मरण किया। इस अवसर पर कसौधन गुप्ता समाज के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्थापना का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवन, संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा देना है। छत्रपति शिवाजी महाराज और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं इसी उद्देश्य से स्थापित की गई हैं। कवर्धा में और भी महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। युवाओं को महापुरुषों के जीवन चरित्र का अध्ययन कर आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कवर्धा के विकास के लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं। डीएफओ कार्यालय के सामने चौपाटी शुरू हो चुकी है, महामाई मंदिर के सामने निर्माण पूरा हुआ है, हनुमंत वाटिका को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। पुराने काष्ठागार परिसर में शिव वाटिका बनेगी, बूढ़ा महादेव मंदिर के विस्तार की योजना है। विंध्यवासिनी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रवेश व्यवस्था और विशाल हॉल का निर्माण हो रहा है। भोरमदेव मंदिर परिसर में भव्य कॉरिडोर के लिए केंद्र से 146 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं, निर्माण जारी है। बिलासपुर और रायपुर मार्ग पर करीब 56 करोड़ से फोरलेन सड़क का काम शुरू हुआ है। ठाकुरदेव चौक से घोटिया रोड तक करीब 10 करोड़ की सड़क बनी है, नया बस स्टैंड भी शुरू हो रहा है। पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में व्यापारिक केंद्र विकसित करने के प्रयास होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि देव दीपावली एवं प्रकाश पर्व पर प्रतिमा का अनावरण समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के बीच युवा पीढ़ी को महापुरुषों के संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। कसौधन गुप्ता समाज के प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने महर्षि कश्यप जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित करने का निवेदन किया। उपमुख्यमंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पूर्व अध्यक्ष संतोष पटेल, प्रभात गुप्ता, आत्मानंद गुप्ता, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पार्षद मनोज गुप्ता, विजय लक्ष्मी तिवारी, नम्रता मोदी, दौवा गुप्ता सहित समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।



सियासी संतुलन के तौर पर देखा जा सकता है महिला कांग्रेस में नई नियुक्तियो को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में नई नियुक्तियों के साथ संगठनात्मक और सामाजिक समीकरणों को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा की मंजूरी के बाद जारी नियुक्ति आदेश प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा को भेजा गया है। नई सूची को संगठन विस्तार के साथ क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक भागीदारी और विभिन्न खेमों के बीच संतुलन की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

District Presidents

1.	Smt. Anima Kerketta	Sarguja
2.	Smt. Lilly Rajwade	Surajpur (Urban)
3.	Smt. Babita Gupta	Surajpur (Rural)
4.	Smt. Aarti Mahobia	Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai
5.	Smt. Manju Dhruw	Gariaband
6.	Smt. Pragati Bajpai	Raipur (Urban)
7.	Smt. Barkha Sahu	Raipur (Rural)
8.	Smt. Lalita Yadu	Balodabazar-Bhatapara
9.	Smt. Rama Chatterjee	Manendragarh-Chirmiri- Bharatpur (Urban)
10.	Smt. Preeti Patanwar	Bilaspur (Urban)
11.	Smt. Seema Pande	Bilaspur (Rural)
12.	Smt. Annapoorna Chandrakar	Kabirdham (Kawardha)
13.	Smt. Sangeeta Gupta	Raigarh
14.	Smt. Premlata Sahu	Durg (Urban)
15.	Smt. Yogita Chandraker	Durg (Rural)
16.	Smt. Shashi Sinha	Risali(Bhilai Nagar)
17.	Smt. Urmila Yadav	Mungeli

क्या हैं नई नियुक्तियों के सियासी मायने?

कार्यकारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी नेताओं में गिना जाता है। ऐसे में नियुक्तियों के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। जानकारों के अनुसार चयन में स्थानीय सक्रियता, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सामाजिक संतुलन को महत्व दिया गया है। हालांकि किस नियुक्ति के पीछे किस नेता की भूमिका रही, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

संविधान गौरव दिवस को लेकर सियासत तेज, शताब्दी पांडेय ने उठाए कांग्रेस पर सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस मनाने के भाजपा के निर्णय को लेकर छत्तीसगढ़ में बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडेय ने रायपुर के एकात्म परिसर में मीडिया ब्रीफिंग में कांग्रेस पर संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संविधान गौरव दिवस केवल आयोजन नहीं, बल्कि संविधान निमार्ताओं के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने का अवसर है। यह दिन डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को सम्मान देने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और हर नागरिक का दायित्व है कि वह उसके मूल्यों, आदर्शों और प्रक्रियाओं का सम्मान करे।

कांग्रेस पर लगाए संविधान की मयार्दाओं के उल्लंघन के आरोप

पांडेय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा संविधान की बात करती है और प्रति लेकर राजनीतिक संदेश देती है, लेकिन आपातकाल से लेकर अब तक कई मौकों पर संवैधानिक मयार्दाओं का उल्लंघन करती रही है। संसद के घेराव, प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विरोध का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि केवल संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने से कोई दल संविधान के प्रति समर्पित साबित नहीं हो जाता। सच्चा समर्पण तब है जब उसके बताए रास्तों पर चला जाए और संस्थाओं का सम्मान किया जाए।



चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट को लेकर भी कांग्रेस पर सवाल

पांडेय ने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठाती रही है। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान को लेकर भी उन्होंने कांग्रेस की आलोचना की। लोकतंत्र में संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और दलों को उनके निर्णयों का सम्मान करना चाहिए।

राजस्थान पंचायत चुनाव का दिया उदाहरण

उन्होंने दावा किया कि राजस्थान पंचायत चुनाव में कांग्रेस को जीत मिली, लेकिन इस बार उसने निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप नहीं लगाया। सवाल उठाया कि जीत मिलने पर आयोग पर सवाल क्यों नहीं, हार पर क्यों? इसे उन्होंने कांग्रेस के दोहरे रवैये का उदाहरण बताया।

स्वनिधि सम्मान में छत्तीसगढ़ का डंका, महिला विक्रेताओं की भागीदारी 68% तक पहुंची

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के छत्तीसगढ़ के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। पीएम स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य को कुल पांच राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। ह्यआरोग्य से आत्मनिर्भरताह्न नवाचार को ह्यइनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेसह्न में देशभर में द्वितीय स्थान मिला है। नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री तोखन साहू की उपस्थिति में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया।



ऋण शिविरों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने से बढ़ी भागीदारी

सूडा सीईओ सुमीत अग्रवाल ने बताया कि शिविरों में भागीदारी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट को पीएम स्वनिधि के ऋण शिविरों से जोड़कर हेल्थ-कम-लोन कैंप लगाए गए। इनमें निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, 41 प्रकार की जांच और 170 प्रकार की जेनेरिक दवाईयां दी गईं।

नई पहल से ऋण आवेदनों में करीब तीन गुना वृद्धि

पहले प्रति शिविर 50-60 विक्रेता आते थे, अब 120 से 150 पहुंच रहे हैं। ऋण आवेदन 20-25 से बढ़कर 60-70 हो गए। सितंबर 2025 से अक्टूबर 2026 के बीच 31,056 शिविरों में 66,959 आवेदन मिले, 48,523 स्वीकृत हुए और 46,081 विक्रेताओं को 92.93 करोड़ रुपये का ऋण मिला।

172 नगरीय निकायों में 150 एमएमयू से स्वास्थ्य सुविधाएं

नवंबर 2020 से अक्टूबर 2026 तक 2,03,130 शिविरों में 1.41 करोड़ मरीजों का उपचार, 37.37 लाख लैब टेस्ट और 1.24 करोड़ दवाईयों का वितरण हुआ। महिला विक्रेताओं की भागीदारी 45% से बढ़कर 68% हुई। हर परिवार को सालाना 5,000 से 7,000 रुपये की बचत हो रही है।

पथ विक्रेताओं के जीवन में बदलाव

जशपुर के विक्रेता संतोष कुमार ने कहा, अब सरकार द्वार तक आकर दवाईयां और आर्थिक सहायता दोनों दे रही है। स्वास्थ्य की वास्तविक जरूरतों पर ध्यान : एमएमयू के आंकड़ों से उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों की समय पर पहचान हो रही है, जिससे गंभीर बीमारियों की रोकथाम हो रही है।

स्वास्थ्य सुविधा से आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन

निःशुल्क जांच और दवाई से बचत होने से परिवारों को ऋण की किश्त भरने में भी मदद मिल रही है।

सीएम ने निकाय चुनाव से पहले रिसाली मे किया 68 करोड़ के कामों का लोकार्पण-भूमिपूजन



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। नगरीय चुनाव का बिगुल बजने से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रिसाली निगम क्षेत्र में 68 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने 137 करोड़ रुपये के अन्य विकास कार्यों की घोषणा भी की। निगम क्षेत्र में वृहद पेयजल योजना के तहत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट और मुक्तिधामों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय मंगलवार को भिलाई पहुंचे। उन्होंने सेक्टर-6 स्थित गुरुद्वारे में प्रकाश पर्व के अवसर पर माथा टेका और लंगर में शामिल हुए। वहीं भिलाई के कंट्रोल रूम में साइबर थाने के नए भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक रिकेश सेन मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में किसान मोर्चा ने हल भेंटकर मुख्यमंत्री साय का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को अलग-अलग योजनाओं के तहत प्रमाण पत्र, आवास योजना की चाबी और स्वनिधि योजना की राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रिसाली नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए कोई कमी नहीं होगी। आज चार बड़ी घोषणाएं की गई हैं। 134 करोड़ की लागत से वृहद पेयजल योजना के तहत कार्य किए जाएंगे। इससे क्षेत्र की जनता को स्वच्छ पेयजल मिलेगा। वहीं नेवई और जोरातराई मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण के लिए 1 करोड़ और स्ट्रीट लाइट के लिए 2 करोड़ रुपये की घोषणा की है।

पार्षद व भाजपा जिला मीडिया प्रभारी के कथित वायरल वीडियो में आया नया मोड़

एसपी कार्यालय पहुंच महिला ने पति व ससुराल पक्ष पर लगाया साजिश का आरोप, कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर के पार्षद एवं भाजपा जिला मीडिया प्रभारी को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और उससे जुड़े कथित चरित्र संबंधी आरोपों के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। महिला ने अपने स्वजनों के साथ पुलिस अधीक्षक को एक लिखित शिकायत सौंपते हुए पूरे घटनाक्रम को पूर्व से चले आ रहे पारिवारिक विवाद का हिस्सा बताया है।महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति राजेश सोनी, सास बसंती सोनी और देवर रूपेंद्र सोनी ने षड्यंत्रपूर्वक अधूरा वीडियो तैयार करवाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कराया, ताकि उसका चरित्र हनन किया जा सके। महिला ने वीडियो को सच्चाई से परे बताते हुए पति और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना, धमकी और बदनामी के गंभीर आरोप लगाए हैं। एसपी को सौंपे गए आवेदन में पिंकी सोनी ने बताया कि उसका विवाह 18 जून 2012 को राजेश सोनी के साथ हुआ था। उनका एक पुत्र भी है। महिला के अनुसार, पति और ससुराल पक्ष के साथ उसका कई वर्षों से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी विवाद



के निराकरण और सहयोग के लिए उसने 21 नवंबर की रात पार्षद मुकेश गर्ग को फोन कर बुलाया था। महिला का कहना है कि मुकेश गर्ग को उसके पारिवारिक विवाद की पूर्व से जानकारी थी और पूर्व में कई बार पति पत्नी को समझाने आए हैं कई सामाजिक बैठकों में भी वे रह कर दोनों पक्षों को समझाइश दे चुके थे। उस दिन उसकी तबीयत खराब थी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण वह मानसिक तनाव में थी। पति द्वारा निर्वाह भत्ता नहीं दिए जाने तथा उसके चरित्र को लेकर तरह-तरह के आरोप लगाए जाने से भी वह परेशान थी।महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि मुकेश गर्ग के पहुंचने के कुछ देर बाद उसका पति राजेश सोनी अपनी मां बसंती और भाई रूपेंद्र के साथ वहां पहुंचा और षड्यंत्र रचकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद महिला ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर घटना की जानकारी दी और पेट्रोलिंग पार्टी को भी बुलाया।

महिला का आरोप है कि इसी दौरान उसके पति और देवर ने बाहर से बंद दरवाजा खोलने के बजाय गाली-गलौज की तथा देवर लोहे की रॉड से दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और उसका दुपट्टा पकड़कर खींचा। मौके पर मौजूद मुकेश गर्ग ने बीच-बचाव किया।पिंकी सोनी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान उसके पति ने अपने मित्र परिजन को फोन कर मौके पर बुलाया। इसके बाद उसके पति, देवर और अन्य ने मुकेश गर्ग के साथ भी अभद्रता की तथा वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

हत्या की आशंका जताई, कार्रवाई की मांग

महिला ने शिकायत में पति, सास और देवर से जान का खतरा होने की आशंका भी जताई है। उसका कहना है कि पूर्व में भी वह पति और ससुराल पक्ष के विवाद को लेकर थाने में मौखिक और लिखित शिकायत कर चुकी है। अब उसने एसपी से पूरे घटनाक्रम की जांच कराने, सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो की वास्तविकता सामने लाने तथा पति राजेश सोनी, सास बसंती सोनी और देवर रूपेंद्र सोनी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

ये लगे है आरोप

ज्ञात हो कि भाजपा नेता व पार्षद मुकेश गर्ग पर महिला के पति राजेश सोनी ने आरोप लगाया है कि वे 21 नवम्बर की रात को उनके घर मे उनकी पत्नी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिले थे।इसकी शिकायत भी थाने में दर्ज कराई है।साथ ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल है जिसमे मुकेश गर्ग घर मे जाते व निकलते दिख रहे है साथ ही भाजपा नेता के साथ झूमाझटकी भी दिखाई पड़ रहा है।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहा पीएमश्री प्रा. शा., प्रभावित हो रही बच्चों की पढ़ाई

दो शिक्षकों के भरोसे संचालित हो रहा अंग्रेजी माध्यम स्कूल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत महुली में संचालित पीएम श्री प्राथमिक



शाला शिक्षकों और बुनियादी संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। अधिकारियों द्वारा शिक्षकों की कमी दूर करने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है।

इसका सीधा असर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और अंग्रेजी माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा वर्ष 2023 में महुली में पीएम श्री प्राथमिक शाला प्रारंभ किया गया था। क्षेत्र का एकमात्र अंग्रेजी माध्यम विद्यालय होने के कारण यहां आसपास के विभिन्न गांवों के 76 बच्चे अध्ययनरत हैं, लेकिन इतने बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी महज दो शिक्षकों के भरोसे है। विद्यालय के प्रधानपाठक को आए दिन विभागीय बैठकों और अन्य शासकीय कार्यों में शामिल होना पड़ता है। ऐसे में कई बार एक ही शिक्षक के जिम्मे सभी कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी रह जाती है।

एक शिक्षक द्वारा एक साथ सभी कक्षाओं का संचालन करना मुश्किल हो जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। नियमानुसार छात्र संख्या के अनुपात में कम से कम तीन शिक्षकों की आवश्यकता बताई जा रही है, इसके बावजूद विद्यालय प्रारंभ होने के समय से ही दो शिक्षकों से काम चलाया जा रहा है।

वहीं शासन की मंशा के अनुरूप बच्चों की कलात्मक एवं शारीरिक प्रतिभा को निखारने के लिए योग और संगीत की शिक्षा देने का भी प्रावधान है, लेकिन विद्यालय में इन विषयों के लिए भी शिक्षकों की पदस्थापना नहीं की गई है। इतना ही नहीं, विद्यालय का अपना भवन भी अब तक नहीं बन पाया है। स्कूल की शुरुआत से ही पुराने भवन में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

फिलहाल संभावना नहीं

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा ने बताया कि फिलहाल शासन स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की संभावना नहीं है। निलंबित शिक्षकों का निलंबन समाप्त होने के बाद विद्यालय में शिक्षकों की पदस्थापना की जाएगी।

मुख्यमंत्री का जनदर्शन 26 को, आमजनो से करेंगे मुलाकात

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन कार्यक्रम गुरुवार 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन, रायपुर में दोपहर 12 बजे से 03 बजे तक आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय आमजनों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनेंगे। मुख्यमंत्री जनदर्शन के दौरान नागरिकों की समस्याओं से रूबरू होंगे तथा उनके त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। जनदर्शन में आमजन अपनी समस्याओं, मांगों और सुझावों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रख सकेंगे।

वनभूमि पर अतिक्रमण का आरोप, कंटूर गड्ढों को पाटकर कब्जे की कोशिश, विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखण्ड के ग्राम पंचायत द्वारिकानगर के गाड़ाझोरिखा से सटे वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, वन विभाग द्वारा उक्त भूमि पर मिट्टी एवं जल संरक्षण के उद्देश्य से कंटूर गड्ढों का निर्माण कराया गया था, लेकिन अब ग्रामीणों द्वारा इन गड्ढों को मिट्टी से पाटकर भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है।

इस मामले को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि वन विभाग की जमीन पर इस तरह की गतिविधियां होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी अब तक कोई ठोस कार्रवाई करते नजर नहीं आ



रहे हैं। विभाग की कथित चुप्पी के चलते अतिक्रमण करने वालों के हौसले बुलंद होने की आशंका जताई जा रही है।

वन भूमि का संरक्षण करना वन विभाग की जिम्मेदारी है। ऐसे में यदि विभाग की जमीन पर अतिक्रमण हो रहा है तो इसकी जांच कर तत्काल रोक लगाना आवश्यक है। ग्रामीणों ने संबंधित वन अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थल का निरीक्षण करने, अतिक्रमण की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

मितानिन दीदियां ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी : भूलन

मितानिन दिवस पर विधायक ने 12 सौ मितानिनो का किया सम्मान, भेंट की साड़ी, जताया आभार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गांव की गलियों से लेकर जरूरतमंद परिवारों के घरों तक स्वास्थ्य सेवाओं की अलख जगाने वाली मितानिन दीदियों के सम्मान में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने भावनात्मक पहल की। मितानिन दिवस के अवसर पर विधायक ने अपने गृह निवास पटना में प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र की लगभग 12 सौ मितानिनो के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान विधायक ने मितानिनो का तिलक लगाकर स्वागत एवं सम्मान किया तथा उपहार स्वरूप साड़ी भेंट कर उनके वर्षों के सेवा, समर्पण और अथक परिश्रम के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन महज एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि उन महिलाओं के योगदान को नमन करने का अवसर बना, जो बिना किसी दिखावे के गांव-गांव में स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी निभाती हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की देखभाल हो, गर्भवती महिलाओं को जरूरी सलाह देना हो, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलानी हो या फिर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचानी हों, मितानिन हर परिस्थिति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि मितानिन दीदियां ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी हैं। वे गांव-गांव में स्वास्थ्य



जागरूकता फैलाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की देखभाल करने और जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका सेवाभाव, समर्पण और परिश्रम बेहद सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि मितानिन दीदियां अपने परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ समाज और गांव के स्वास्थ्य की चिंता भी करती हैं। कई बार कठिन परिस्थितियों में भी वे जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहती हैं। उनका यह निस्वार्थ सेवा भाव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके योगदान को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। यह सम्मान उनके प्रति कृतज्ञता और आदर प्रकट करने का एक छोटा सा प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान उस समय भावुकता और खुशी का माहौल देखने को मिला, जब मितानिन दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी जनप्रतिनिधि ने उनके लिए इतने बड़े स्तर पर इस तरह के सम्मान समारोह का आयोजन किया है।

अक्सर वे दूसरों की सेवा और मदद में अपना समय बिताती हैं, लेकिन आज जिस आत्मीयता के साथ उनका स्वागत और सम्मान किया गया, वह उनके लिए बेहद खास और यादगार पल है। मितानिन दीदियों ने इस अनूठी पहल के लिए विधायक भूलन सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मान ने उनके कार्यों के प्रति उनका उत्साह और मनोबल बढ़ाया है। कार्यक्रम में हर चेहरे पर खुशी और सम्मान की अनुभूति साफ दिखाई दे रही थी। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में विधायक भूलन सिंह के साथ उनके प्रतिनिधि संत साहू, विजय सिंह, राजेश्वर तिवारी, अनिल साहू, पवन सिंह, मीना सिंह सहित अन्य सहयोगियों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम में सूरजपुर, रामानुजनगर एवं प्रेमनगर क्षेत्र के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में मितानिन दीदियां उपस्थित रहीं। मितानिन दिवस पर आयोजित यह समारोह उन गुमनाम सेवाभावी चेहरों के सम्मान का यादगार अवसर बना, जो समाज के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के निर्माण में लगातार अपना योगदान दे रही हैं। विधायक की इस पहल ने मितानिन दीदियों के मन में सम्मान और अपनत्व का भाव जगाने के साथ यह संदेश भी दिया कि समाज की असली ताकत वे लोग हैं, जो बिना किसी अपेक्षा के दूसरों की सेवा में जुटे रहते हैं।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में जल जीवन मिशन में करोड़ों खर्च के बाद भी घरों तक नहीं पहुंचा पानी

दो साल से शोपीस बनी पानी की टंकियां, टूटकर बिखरने लगे घरों में लगे नल



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर/बिहारपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में इस योजना की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों में करोड़ों रुपये की लागत से पानी की टंकियां बनवाई गईं, पाइपलाइन बिछाई गई और घरों में नल कनेक्शन लगाए गए, लेकिन दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों के घरों तक पानी की एक बूंद नहीं पहुंच पाई है। हालत यह है कि पानी की टंकियां शोपीस बनकर खड़ी हैं और घरों में लगाए गए नल टूटकर बिखरने लगे हैं। चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के महुली, कोल्हुआ, अंतिकापुर, बिहारपुर, ठाड़पाथर, नवगई और कोंतिपुर सहित कई गांवों में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकियों का निर्माण एवं पाइपलाइन विस्तार का कार्य कराया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों ने पानी की टंकियां बनाकर, पाइपलाइन बिछाकर और घरों में नल कनेक्शन लगाकर निर्माण कार्य का भुगतान प्राप्त कर लिया, लेकिन घरों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना ही काम छोड़ दिया। इसके बाद से ग्रामीण लगातार नल से पानी आने का इंतजार कर रहे हैं।योजना की बदहाली का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि दो साल से अधिक समय तक बिना उपयोग के खड़ी पानी की टंकियों में अब दरारें आने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्राम पंचायत महुली में तो स्थिति और भी गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, यहां नवनिर्मित पानी की टंकी से पानी टपक रहा है। टंकी के निर्माण के बाद ही उसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब टंकी से पानी ही रिस रहा है तो भविष्य में यह गांव के लोगों को नियमित पेयजल कैसे उपलब्ध करा पाएगी? निर्माण कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने की आवश्यकता है।

योजना के तहत ग्रामीणों के घरों तक पाइपलाइन पहुंचाकर नल कनेक्शन लगाए गए थे। लेकिन जलापूर्ति शुरू नहीं होने के कारण कई घरों में लगे नल अब टूटने लगे हैं। कहीं नल उखड़कर जमीन पर पड़े हैं तो कहीं पाइपलाइन और कनेक्शन खराब हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने घरों तक पानी पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन योजना का लाभ आज तक नहीं मिला। समय पर पानी की आपूर्ति और रखरखाव नहीं होने से सरकारी संपत्ति भी खराब होती जा रही है।

महुली में 100.38 लाख रुपये की योजना, 258 घरों में नल कनेक्शन का प्रावधान

ग्राम पंचायत महुली में लगे विभागीय सूचना बोर्ड के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत लगभग 100.38 लाख रुपये की अनुमानित लागत से योजना का कार्य दर्शाया गया है। इसमें 14,453 मीटर पाइपलाइन तथा 258 घरेलू नल कनेक्शन सहित संबंधित कार्यों का उल्लेख है। सूचना बोर्ड पर ठेकेदार एवं विभागीय अधिकारियों के नाम भी दर्ज हैं।लेकिन कार्य प्रारंभ, कार्य पूर्णता और योजना हस्तांतरण की तारीख के कॉलम खाली दिखाई दे रहे हैं।ऐसे में योजना की वास्तविक प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता और जलापूर्ति शुरू होने की स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कलेक्टर से जांच की मांग

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन एवं सूरजपुर कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के सभी गांवों में जल जीवन मिशन के तहत हुए निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय एवं तकनीकी जांच कराई जाए। पानी की टंकियों में आई दरारों, महुली में टंकी से हो रहे पानी के रिसाव, पाइपलाइन और घरेलू नल कनेक्शनों की स्थिति की जांच हो। साथ ही ठेकेदारों को किए गए भुगतान एवं निर्माण कार्यों के सत्यापन की भी जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए।

विधायक की मौजूदगी में लगे धर्मांतरण विरोधी बोर्ड, अब अन्य गांवों में भी लगाने की तैयारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में धर्मांतरण का मुद्दा फिर गरमा गया है। जिले की चार ग्राम पंचायतों सोगड़ा, चढ़िया, डूमरटोली और टेम्पू में ग्रामसभा के फैसले के बाद गांवों के रास्तों पर बोर्ड लगाए गए हैं। इनमें पास्टर, फादर और सिस्टर के गांव में आने पर रोक की बात लिखी गई है।

जशपुर विधायक रायमुनी भगत की मौजूदगी में भी बोर्ड लगाए गए। आदिवासी समाज के कुछ लोग इसे अपनी संस्कृति और परंपरा बचाने की पहल बता रहे हैं। वहीं, ईसाई आदिवासी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा ने इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि धर्मांतरण जागरूकता से रोका जा सकता है, बोर्ड लगाने से नहीं।

दरअसल, जिले की 4 ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने ग्रामसभा की बैठक में प्रस्ताव पास किया। इसके बाद गांवों के रास्तों पर बोर्ड लगाए गए। ग्रामीणों और आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि वे अपनी संस्कृति, परंपराओं और



पहचान को बचाना चाहते हैं। उनका मानना है कि गांवों में धर्मांतरण की गतिविधियों को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। बोर्डों पर पेसा कानून 1996 के तहत ग्रामसभा के अधिकारों और आदिवासी परंपराओं को बचाने की बात लिखी गई है। आदिवासी नेता संतन भगत का कहना है कि धर्मांतरण रोकने और समाज की पुरानी परंपराओं को बचाने के लिए गांव-गांव में लोगों को जागरूक किया जाएगा।

सोगड़ा, चढ़िया, डूमरटोली और टेम्पू के बाद अब दूसरी ग्राम पंचायतों में भी ऐसे बोर्ड लगाने की तैयारी है। आदिवासी नेता ने इसके लिए अभियान चलाने की बात कही है। उनका कहना है कि लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं के बारे में जागरूक किया जाएगा। बोर्ड लगाने पर ईसाई आदिवासी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बोर्ड लगाकर समाज को बांटने का काम किया जा रहा है। धर्मांतरण रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना चाहिए। बोर्ड लगाने से यह नहीं रुकेगा।

माता खुड़िया रानी धाम में आस्था का महासंगम, माता के दर्शन कर विधायक ने की सुख-समृद्धि की कामना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। पंडरापाठ स्थित प्रसिद्ध माता खुड़िया रानी धाम में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित वार्षिक मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच आयोजित मेले में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने माता के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।



इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत ने कार्तिक पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता खुड़िया रानी धाम क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रमुख केंद्र है। ऐसे पारंपरिक आयोजन सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करते हैं। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए मेला समिति एवं क्षेत्रवासियों को बधाई दी। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष देवलाल भगत, उपाध्यक्ष धनंजय यादव, महामंत्री बालरूप यादव, कोषाध्यक्ष हुलास यादव, सह संयोजक बालेश्वर यादव सहित अशोक कुमार यादव, महेंद्र यादव, महेंद्र गुप्ता, शिवनारायण यादव, सावन राम, छिछली एवं रैनी की सरपंच, मेला समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आस्था, परंपरा और जनभागीदारी के संगम बने इस मेले ने माता खुड़िया रानी धाम की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को एक बार फिर प्रदर्शित किया।

जशपुर के युवक ने क्रिप्टो करेंसी और यूएसडी ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर की डेढ़ करोड़ ठगी



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कमिश्नरेट पुलिस के द्वारा लगातार ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। थाना आजाद चौक पुलिस ने सोमवार को क्रिप्टो करेंसी एवं यूएसडी ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा का लालच देकर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने क्रिप्टो करेंसी एवं यूएसटी ट्रेडिंग में लगभग 25 से 30% मुनाफे का लालच देकर पीड़ित से लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की ठगी की थी।

क्रिप्टो करेंसी और यूएसडी ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच

आजाद चौक थाना प्रभारी अर्चना धुरंधर ने बताया पीड़ित से आरोपी ललित अग्रवाल ने क्रिप्टो करेंसी एवं यूएसडी ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच देकर 1 करोड़ 54 लाख 90 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला आजाद चौक थाने में दर्ज किया गया। धारा 318(4) 3 (5) बीएनएस के तहत मामले की शिकायत दर्ज की गई।

अलग अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराए रुपये

आरोपी ने पीड़ित को क्रिप्टो करेंसी एवं यूएसडी ट्रेडिंग के व्यवसाय में 25 से 30 प्रतिशत तक लाभ दिलाने का झांसा दिया। निवेश के नाम पर पीड़ित से अलग-अलग बैंक खातों में 1 करोड़ 54 लाख 90 हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए। बैंक खातों के ट्रांजेक्शन की बारीकी से की गई जांच। पूछताछ के दौरान आरोपी ने धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

पत्थलगांव का रहने वाला है आरोपी

धोखाधड़ी की पुष्टि होने के बाद आरोपी ललित अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से पत्थलगांव जिला जशपुर का रहने वाला है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे कोर्ट ने न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है।

कोई भी प्रभावित किसान मुआवजे से वंचित न रहे, जिला पंचायत सीईओ ने दिए सख्त निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने चक्रवाती तूफान अनंव एवं बेमौसम बारिश से किसानों की फसलों को हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रभावित किसानों के खेतों का भौतिक सत्यापन कर आरबीसी 6/4 के तहत मुआवजा राशि प्रदान करने के लिए प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल नुकसान से प्रभावित कोई भी किसान मुआवजे से वंचित न रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मैदानी स्तर पर सर्वे एवं सत्यापन कार्य गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।



बैठक में धान खरीदी कार्य की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने सभी धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने खरीदी केंद्रों में पानी, छाया, बारदाने तथा अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा सभी जनपद पंचायत सीईओ को अपने-अपने विकासखंड के मंदिरों के जीर्णोद्धार करने के लिए जानकारी संकलित कर धर्मस्व विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए। जिला पंचायत सीईओ ने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री की घोषणाओं तथा कलेक्टर जनदर्शन से संबंधित लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने सभी लंबित आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर कलेक्टर, सभी एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।



कलेक्टर ने पीएम सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन को लेकर ली समीक्षा बैठक, 7 हजार हितग्राहियों का हुआ चिन्हांकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विद्युत विभाग, एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, नगरीय निकाय एवं बैंकर्स के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।बैठक में योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत घरेलू उपभोक्ताओं को घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए



अनुदान दिया जाता है। योजना के माध्यम से उपभोक्ता प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 2 किलोवाट का घरों में सोलर पैनल लगाने से केंद्र सरकार 60 हजार और राज्य सरकार 30 हजार रुपए तक कुल 90 हजार की सब्सिडी हितग्राहियों को दी जाती है।

कलेक्टर व्यास ने बताया कि जिले में लगभग 7 हजार ऐसे हितग्राहियों का चिन्हांकन किया गया है, जिनके घरों में प्रतिमाह लगभग 200 यूनिट बिजली की खपत होती है। इन पात्र हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल स्थापित कराने के लिए संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ मिल सके।उन्होंने बताया कि घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसके तहत हितग्राहियों को कुल 90 हजार रुपये तक का अनुदान लाभ मिलेगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों को बैंक के माध्यम से ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राहियों को योजना की प्रक्रिया, सब्सिडी एवं ऋण सुविधा की जानकारी सरल तरीके से उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें सोलर पैनल लगाने में आर्थिक परेशानी न हो और जिले में योजना का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

झींगा पालन से मत्स्य कृषकों को मिलेगा दोहरा लाभ, एक ही तालाब से दो उत्पाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में मत्स्य पालन को अधिक लाभकारी एवं रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से परंपरागत मछली पालन के साथ आधुनिक तकनीक आधारित झींगा पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मत्स्य कृषकों की आय में वृद्धि करने तथा उनकी आजीविका को सशक्त बनाने के लिए विभाग द्वारा विशेष पहल की जा रही है।

इसी कड़ी में जिले के सभी विकासखंडों से चयनित निजी एवं पट्टे पर प्राप्त तालाबों में मत्स्य पालन करने वाले 40 अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को झींगा पालन के लिए चिन्हित किया गया है। योजना के तहत कुल 25 हेक्टेयर क्षेत्र में मछली एवं झींगा का एकीकृत पालन (पॉलिकल्चर) किया जाएगा। इस संबंध में 23 नवंबर 2026 को मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बघिमा, जशपुर में मत्स्य कृषकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषकों को झींगा पालन की आधुनिक तकनीक, तालाब प्रबंधन, बीज संचयन एवं उत्पादन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही चयनित हितग्राहियों को झींगा बीज का वितरण भी किया गया।

योजना के अंतर्गत मत्स्य कृषकों को झींगा पालन के लिए विभाग की ओर से प्रति हेक्टेयर लागत पर 60 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसके माध्यम से कृषक अपने तालाबों में कतला एवं रोहू जैसी प्रमुख मछली प्रजातियों के उत्पादन के साथ-साथ मीठे जल में झींगा पालन भी कर सकेंगे। झींगा की बाजार में अच्छी मांग एवं अपेक्षाकृत अधिक मूल्य होने से कृषकों को एक ही तालाब से दो प्रकार के मत्स्य उत्पाद प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है।

विभागीय आकलन के अनुसार इस पद्धति से मत्स्य कृषक प्रति हेक्टेयर लगभग 3.32 लाख रुपये से 5.32 लाख रुपये तक लाभ अर्जित कर सकते हैं। इससे न केवल मत्स्य पालन की उत्पादकता एवं आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी, बल्कि जनजातीय कृषकों के लिए अतिरिक्त आय, स्वरोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

फसल क्षति का प्रकरण तैयार किया जा रहा है, 50 किसानों को 30.27 लाख रुपए के मुआवजा राशि का भुगतान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। चक्रवाती तूफान अनंव एवं बेमौसम बारिश से जिले में धान की फसल को हुए नुकसान को लेकर कृषि विभाग ने राहत और मुआवजे की प्रक्रिया तेज कर दी है। कृषि विभाग के उप संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि फसल क्षति के आकलन और मुआवजा भुगतान का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। उल्लेखनीय है कि कृषक बबलू तिवारी के धान फसल नुकसान होने का समाचार प्रकाशित हुआ था। खबर के संज्ञान में आते ही विभाग ने मैदानी अमले को निरीक्षण के निर्देश दिए।

उप संचालक ने बताया कि बीमा कंपनी एवं विभागीय मैदानी अमलों के द्वारा लगातार खेतों में जाकर फसल क्षति का निरीक्षण किया जा रहा है। जिन किसानों ने फसल बीमा कराई है, उन्हें फसल क्षति की जानकारी टोल फ्री नंबर-14447 पर 72 घंटे के अंदर सूचना देने की जानकारी दी जा रही है, ताकि उनका दावा समय पर दर्ज हो सके और बीमा राशि का भुगतान शीघ्र हो। वहीं, जिन कृषकों के द्वारा फसल बीमा नहीं कराई गई है, उनका भी फसल क्षति का आकलन किया जा रहा है। ऐसे किसानों का आर.बी.सी. 6-4 के तहत मुआवजा राशि का प्रकरण तैयार कर मैदानी अमलों के द्वारा तहसील कार्यालय में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया है। विभाग का प्रयास है कि कोई भी प्रभावित किसान मुआवजे से वंचित न रहे।

जिले में अद्यतन स्थिति में फसल क्षति का आकलन कर आर.बी.सी. 6-4 के तहत मुआवजा राशि भुगतान हेतु 432 प्रकरण तैयार कर तहसील कार्यालय में जमा की गई है। इन प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया राजस्व विभाग द्वारा की जा रही है। साथ ही फसल बीमा कराने वाले कृषकों को अद्यतन स्थिति में 50 किसानों को कुल 30.27 लाख रुपए मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है। शेष बीमित किसानों के दावों का भी सत्यापन तेजी से किया जा रहा है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे फसल नुकसान की सूचना समय पर दें, अपने खेतों का निरीक्षण कराएं और पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों से संपर्क बनाए रखें, ताकि मुआवजा प्रक्रिया में देरी न हो।

पीएम मोदी के बताए रास्ते पर बढ़ रहा छत्तीसगढ़, शहर बन रहे आर्थिक विकास के सशक्त केंद्र: सीएम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुसार छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है। सीएम ने कहा कि हमारे यहां के शहरों को आर्थिक विकास, उद्योग व्यापार और रोजगार के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को राज्य सरकार ने आधुनिक नगर संरचना और सुविधाओं से लैस करने की कोशिश की जा रही है। सीएम ने कहा कि हमारा यह प्रयास है कि लोगों को साफ पानी, पक्का मकान और बुनियादी सुविधाएं मिलें। मुख्यमंत्री ने कहा



कि हम लोग लगातार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

पीएम के बताए रास्ते पर बढ़ रहा छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में हाथियों का आतंक है। अभी धान खरीदी का त्योहार भी चल रहा है ऐसे में किसानों को सीएम ने सावधान रहने को भी कहा है। सीएम ने कहा कि वन विभाग अपने स्तर से हाथियों की लगातार निगरानी कर रहा है। जहां कहीं भी मॉनिटरिंग की जरूरत होती है वहां पर मॉनिटरिंग की जा रही है। सीएम ने कहा कि वन विभाग की टीम हाथी प्रभावित इलाकों में लोगों को मोबाइल फोन के जरिए अलर्ट भेजकर सतर्क भी कर रही है।

"हाल के दिनों में एक हाथी द्वारा कई लोगों की जान लेने की बात सामने आ चुकी है। हम इस समस्या को लेकर पूरी तरह से सचेत और सतर्क हैं। वन विभाग भी जो बेहतर हो सकता है उस पर काम कर रहा है। हमारी अपील है कि जिन इलाकों में हाथी सक्रिय हैं वहां पर जाने से बचें। हाथी अगर बड़ा और खतरनाक हो तो उसके पास न जाएं और दूसरे को भी वहां जाने से रोकें", विष्णु देव साय, सीएम

गरीबी रेखा से 50 करोड़ लोग बाहर आए

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज हमारे देश में 50 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के बाहर आए हैं। उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी की यह दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि भारत लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार विकास के क्षेत्र में सकारात्मक कदम उठा रही है। सीएम ने कहा कि भारत के विकास में छत्तीसगढ़ भी अपनी भूमिका बेहतर तरीके से निभा रहा है।

400 पार पर संविधान बदलने की बात करने वाली भाजपा अब कर रही दिखावा : दीपक बैज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा द्वारा 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस मनाने को राजनीतिक पाखंड करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके वैचारिक संगठन आरएसएस की विचारधारा संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत रही है। संविधान के प्रति सम्मान जताने वाली भाजपा अब राजनीतिक मजबूरी में इसकी पैरोकार बनने का दिखावा कर रही है।

दीपक बैज ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के कई नेताओं ने 400 से अधिक सीटें मिलने पर संविधान बदलने की बात कही थी। हालांकि, जनता ने भाजपा को 240 सीटों तक सीमित कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान बदलने की मंशा को लेकर देशभर में विरोध के बाद भाजपा अब संविधान गौरव दिवस मनाने की बात कर रही है। बैज ने आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर में 1949 में संविधान की आलोचना प्रकाशित होने का उल्लेख करते हुए संघ के पूर्व प्रमुख के. सुदर्शन और वर्तमान प्रमुख मोहन भागवत के बयानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई नेताओं ने लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान में बदलाव की जरूरत संबंधी बयान दिए थे।



कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के संसाधनों का केंद्रीकरण हो रहा है और केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। बैज ने दावा किया कि वर्ष 2014 के बाद ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई की कार्रवाई में विपक्षी नेताओं को अधिक निशाना बनाया गया, जबकि भाजपा में शामिल होने वाले कई नेताओं के मामलों में जांच की प्रक्रिया धीमी या बंद हुई। उन्होंने इसके समर्थन में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, छगन भुजबल, हिमंत बिस्वा सरमा और सुवेंदु अधिकारी सहित कई नेताओं के नाम भी गिनाए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि संविधान की मूल भावना समानता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना है। भाजपा को संविधान दिवस मनाने के साथ-साथ इन मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी स्पष्ट करनी चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह